वर्ष 6, अंक 54 भोपाल, शुक्रवार 5 सितंबर, 2025 भाद्रभद् शुक्ल पक्ष, त्रियोदशी, 2082 मूल्य 2 रुपए

दैनिक
कारखाने का सफर

भारत और सिंगापुर के बीच सीएसपी रोडमैप ने दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊँचाई दी

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भारत और सिंगापुर के बीच सीएसपी रोडमैप ने दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊँचाई दी है। यह समझौता केवल आर्थिक, डिजिटल या सांस्कृतिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में गहराती साझेदारी है। एशिया-प्रशांत और हिंद-प्रशांत क्षेत्रों में बदलती भू-राजनीति के बीच यह साझेदारी भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हम आपको बता दें कि समझौते में यह सुनिश्चित किया गया है कि दोनों देशों के रक्षा मंत्री और वरिष्ठ रक्षा अधिकारी नियमित संवाद बनाए रखें। यह Defence Ministers' Dialogue और Defence Policy Dialogue जैसे तंत्रों के माध्यम से होगा। इससे न केवल रणनीतिक विश्वास बढ़ेगा बल्कि नीति स्तर पर रक्षा सहयोग की निरंतरता बनी रहेगी। इसके अलावा, भारतीय थलसेना, नौसेना और वायु सेना लंबे समय से सिंगापुर की सेनाओं के साथ द्विपक्षीय अभ्यास करती रही हैं। अब इन्हें और अधिक विविध और जटिल प्रारूपों में विस्तारित करने की बात की गई है। खास बात यह है कि नौसेना अभ्यास हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर में सामरिक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। वहीं वायुसेना सहयोग से Air Defence और Advanced Combat Training में नई क्षमताएँ जुड़ेंगी। इसके अलावा, थल सेना के अभ्यास आतंकवाद-रोधी अभियानों और शहरी युद्धक परिदृश्यों के संदर्भ में अहम होंगे।

इसके अलावा, रोडमैप में रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को उभरते क्षेत्रों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दिखाई देती है। जैसे अब क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के जरिये निगरानी, सूचना-साझाकरण और साइबर सुरक्षा को नई दिशा मिलेगी। साथ ही अनमैन्ड वेसल्स और ऑटोमेशन के जरिये नौसैनिक अभियानों और पनडुब्बी-रोधी युद्धक क्षमता में सुधार होगा। इससे भारत–सिंगापुर साझेदारी को next-generation defence cooperation के रूप में देखा जा सकता है। हम आपको यह भी बता दें कि हिंद-प्रशांत में समुद्री मार्गों की सुरक्षा सबसे अहम चुनौती है। भारत और सिंगापुर ने Maritime Domain Awareness (MDA) सहयोग को मज़बूत करने और Information Fusion Centres को जोड़ने पर सहमति जताई है। पनडुब्बी बचाव (Submarine Rescue) सहयोग दोनों नौसेनाओं को जटिल परिस्थितियों से निपटने में सक्षम बनाएगा। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सिंगापुर ने भारत की Malacca Straits Patrol में रुचि को सराहा है। यह वैश्विक व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है और यहाँ भारत की उपस्थिति चीन की बढ़ती सक्रियता का संतुलन साध सकती है। हम आपको बता दें कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से मलक्का जलडमरूमध्य (Strait of Malacca) सबसे संवेदनशील और महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्गों में गिना जाता है। यह लगभग 800 किलोमीटर लंबा, संकीर्ण समुद्री मार्ग है जो हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर और प्रशांत महासागर से जोड़ता है। दुनिया के कुल समुद्री व्यापार का लगभग एक-तिहाई इसी रास्ते से गुजरता है। विशेष रूप से, भारत, चीन, जापान और कोरिया जैसे देशों की ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार इस मार्ग पर निर्भर है। भारत के लिए मलक्का के महत्त्व की बात करें तो आपको बता दें कि भारत की कच्चे तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर आता है।

बीएचईएल, भोपाल के ट्रांसफॉर्मर ब्लॉक-3 में आर्द्रता नियंत्रित वातानुकूलित कक्ष का उदघाटन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल के ट्रांसफॉर्मर ब्लॉक-3 में आर्द्रता नियंत्रित वातानुकूलित कक्ष का उदघाटन प्रदीप कुमार उपाध्याय, महाप्रबंधक एवं प्रमुख, बीएचईएल, भोपाल ने किया। भारत में पावर ट्रांसफार्मर बाजार में बीएचईएल अग्रणी है। इस नई सुविधा के उपयोग से 400 केवी और 765 केवी श्रेणी के बीएचईएल निर्मित ट्रांसफार्मरों और रिएक्टरों की गुणता और विश्वसनीयता में और सुधार होगा। इस अवसर पर रूपेश तैलंग, महाप्रबंधक (फीडर्स एवं टीसीबी, उत्पादन, वाणिज्यिक एवं अनुरक्षण); एस. के. महाजन, महाप्रबंधक (टीसीबी-इंजी.सर्विसेज एवं एम); आशीष ओरंगाबादकर, महाप्रबंधक (वेक्स एवं एमओडी); जी. पी. बघेल, महाप्रबंधक (गुणता)); राजेश अग्रवाल, महाप्रबंधक (एसओएम) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

MUDA विवाद खत्म! सिद्धारमैया को राहत

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

कर्नाटक के मंत्री एचके पाटिल ने गुरुवार को कहा कि कथित MUDA घोटाले की जाँच कर रहे न्यायिक आयोग के अध्यक्ष पीएन देसाई ने इस मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश पीएन देसाई की अध्यक्षता वाले आयोग ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) स्थल आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके परिवार को निर्दोष बताया। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने गुरुवार को रिपोर्ट स्वीकार कर ली, जिसमें अनियमितताओं के लिए ज़िम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ़ कानूनी कार्रवाई की भी सिफ़ारिश की गई है। देसाई आयोग ने उन आरोपों की जाँच की कि सिद्धारमैया का परिवार 2020 और 2024 के बीच मैसूर में एक "अवैध वैकल्पिक स्थल आवंटन घोटाले" में शामिल था। आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि मुआवज़े के रूप में स्थलों के आवंटन को अवैध नहीं कहा जा सकता। कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व वाले पीएन देसाई आयोग ने 31 जुलाई को मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा, हमने (सरकार ने) न्यायमूर्ति पी.एन. देसाई की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया था, जिसने दो खंडों में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार के खिलाफ लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। इसमें विभिन्न आधारों पर कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है।

शिक्षक दिवस पर पीएम मोदी बोले- स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाएं छात्र और शिक्षक

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को शिक्षकों एवं छात्रों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने और 'मेक इन इंडिया' एवं 'वोकल फॉर लोकल' पहल को तेज करने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आमतौर पर शिक्षक अपने छात्रों को 'होमवर्क' देते हैं, लेकिन वह बदलाव के लिए शिक्षकों को एक 'होमवर्क' देना चाहते हैं ताकि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिल सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद में कहा कि स्कूलों को स्वदेशी दिवस या स्वदेशी सप्ताह जैसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं आपको स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए अभियान चलाने का एक गृहकार्य दे सकता हूं। छात्रों को घर से स्वदेशी उत्पाद लेकर आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और फिर उन पर चर्चा हो। छात्र स्वदेशी उत्पादों के समर्थन वाले पोस्टर लेकर गांवों में मार्च भी निकाल सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से एक माहौल बनेगा और लोग मेड इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल उत्पादों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने प्रत्येक घर और दुकान के बाहर स्वदेशी उत्पादों की मौजूदगी वाले पोस्टर लगाने के सुझाव भी दिए।

मोदी ने कहा, "हर घर और दुकान के बाहर 'हर घर स्वदेशी' के बोर्ड लगाए जाने चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुधारों की श्रृंखला थमने वाली नहीं है।" उन्होंने कहा, ''स्वदेशी यानी जो कुछ भी हमारे देश में पैदा होता है, जो हमारे देश में बनता है, वे चीजें जिसमें मेरे देशवासियों के पसीने की महक है, वे चीजें जिसमें मेरे देश की मिट्टी की सुगंध है, वो मेरे लिए स्वदेशी है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''स्कूलों में हम ऐसे कई दिवस मनाते हैं, स्वदेशी दिवस भी मनाएं, स्वदेशी सप्ताह भी मनाएं...यानी हम एक अभियान के रूप में इन चीजों को अगर चलाएं, आप इसका नेतृत्व करें।

भोजपाल गरबा महोत्सव दूसरा साल, जम्बूरी मैदान पर सात दिनों तक माता रानी की आराधना, गरबा करने के लिए इसी से मिलती है शक्ति

- काछी, तिमली, सनेड़ो, हुड्डो जैसी नई स्टाइल सीख रहे प्रतिभागी
- गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों की टीम प्रतिभागियों को दे रही प्रशिक्षण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी के जम्बूरी मैदान भेल में आयोजित होने वाले भोजपाल गरबा महोत्सव के लिए गरबा के लिए प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों को इस बार बहुत कुछ नया सीखने को मिल रहा है। इस बार प्रतिभागी 5 गरबा शैली, 5 डांडिया और 2 तीन ताली के साथ ही काछी, तिमली, सनेड़ो, हुड्डो जैसी नई स्टाइल सीख रहे हैं। यह सब भोजपाल गरबा महोत्सव में में देखने को मिलेगा। अहमदाबाद गुजरात से टीम के साथ प्रशिक्षण देने आए प्रशिक्षक राहुल गुप्ता ने बताया कि गुजरात की परंपरागत ढोल को हम यहां पर भी फॉलो कर रहे हैं। हमारी टीम में दो महिलाएं, 4 पुरुष सहित 6 ट्रेनर और दो ढोली हैं। हम सभी बीते पांच सालों से अधिक समय से गरबा की ट्रेनिंग दे रहे हैं।

शहर में कई जगह चल रहा प्रशिक्षण : शहर में श्री कृष्ण मंदिर विजय मार्केट बरखेड़ा भेल और गुजराती भवन आनंद विहार स्कूल के सामने, 74 बंगला के साथ ही कई अन्य जगहों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन दोनों सेंटरों पर गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा 500 से ज्यादा प्रतिभागी सुर ताल के साथ अत्याधुनिक गरबा का प्रशिक्षण ले रहे हैं।

प्रतिभागियों ने बताया हर दिन सीख रहे अलग स्टेप : प्रतिभागी नीलू बघेल, शिवानी शर्मा, अदिति बैरागी सहित अन्य प्रतिभागियों ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान हर दिन

अलग-अलग स्टेप सिखाया जा रहा है। शिवानी शर्मा ने बताया कि बीते पांच दिनों से प्रशिक्षण लेने आ रहे हैं। हमें अब तक बहुत कुछ सीख गए हैं। अदिति बैरागी ने बताया कि हम अब तक कई स्टेप सीख गए हैं। काफी तालमेल के साथ प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भोजपाल गरबा महोत्सव के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि बीते साल हुए सांस्कृतिक गरबा महोत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। शहरवासियों की मांग पर इस बार सात दिनों तक आयोजन किया जाएगा। गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सात दिनों तक होगी आराधना : माता रानी की आराधना के लिए सात दिनों तक गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। 23 से 29 सितम्बर तक आयोजित होने वाले गरबा महोत्सव के लिए रविवार से प्रशिक्षण शुरू हो गया। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए गुजरात से विशेष प्रशिक्षित टीम को बुलाया गया है।

इनाम में मिलेगी, स्कूटी, सोना- चांदी- गरबा महोत्सव में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को सोने- चांदी के जेवरात सहित अन्य पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रशिक्षण लेकर गरबा करने वाले प्रथम आने वाले प्रतिभागी को एक्टिवा इनाम में दिया जाएगा। विशेष ईनाम में ज्वेलरी, टीवी, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स सहित प्रतिदिन अन्य ईनाम दिया जाएगा। 1 लाख किलो वॉट के साउंड सिस्टम और म्यूजिकल बैंड पर प्रस्तुति दी जाएगी।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

तेज बारिश से स्कूल में फंसे 6 शिक्षक का रेस्क्यू, जलस्तर इतना बढ़ा की नाव से निकालना पड़ रहा, रामघाट के मंदिर डूबे

दैनिक कारखाने का सफर। उज्जैन

उज्जैन में बीती रात से लगातार हो रही तेज बारिश के कारण शिप्रा नदी उफान पर आ गई है। नदी के बढ़ते जलस्तर से रामघाट और दत्त अखाड़ा घाट पर स्थित सभी मंदिर जलमग्न हो गए हैं। वहीं, शहर के कई निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार शाम से उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों देवास, इंदौर में रुक-रुक कर तेज बारिश होती रही। बीती रात उज्जैन में 3.36 इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे अब तक शहर में कुल 25 इंच बारिश हो चुकी है। इधर उज्जैन के जीवनखेड़ी के एक सरकारी स्कूल में फंसे 6 शिक्षकों का रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। प्लाटून कमांडर शिला चोधरी ने बताया कि सुबह जब बच्चे और शिक्षक स्कूल पहुंचे तो पानी नहीं था लेकिन 10 बजे तक स्कूल के आसपास इतना पानी भर गया कि मोटर बोट से शिक्षकों को रेस्क्यू करना पड़ा। शिक्षक एवं छात्रों के बाद में फंसे होने की सूचना पर 07 सदस्यीय एसडीआरएफ टीम प्रभावित स्थान के लिये रेस्क्यू के लिए तत्काल रवाना हुई। जहां स्कूल के चारो और पानी भरा हुआ था। एसडीईआरएफ टीम ने पानी के अत्यधिक बहाव होने के बाद भी बोट के माध्यम से स्कूल के 06 शिक्षकों को सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

बारिश के कारण शहर के बहादुरगंज, एटलस चौराहा, केडी गेट, नीलगंगा, इंदौर गेट, दशहरा मैदान सहित कई क्षेत्रों में जलभराव हो गया है। इन क्षेत्रों के रहवासी जलभराव के कारण खासे परेशान नजर आ रहे हैं। शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण उज्जैन-बड़नगर मार्ग स्थित छोटा ब्रिज पूरी तरह से डूब गया है। एहतियात के तौर पर पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। रामघाट पर नगर निगम, होमगार्ड और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को घाट से दूर रखा जा रहा है ताकि किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके।

प्रदेश में अब तक 40 इंच बारिश, सामान्य से ज्यादा, भोपाल का तालाब फुल

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मध्यप्रदेश में इस मानसूनी सीजन में औसत 40 इंच बारिश हो चुकी है, जो कोटे का 108 प्रतिशत है। इस हिसाब से लगातार दूसरे साल प्रदेश में सामान्य से ज्यादा बारिश हो चुकी है। अभी मानसून के 25 दिन बाकी हैं। ऐसे में यह आंकड़ा और भी बढ़ जाएगा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन तक प्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। अगले 24 घंटे में रतलाम, झाबुआ और अलीराजपुर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। यहां साढ़े 8 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं, नीमच, मंदसौर, इंदौर, उज्जैन, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, राजगढ़, गुना, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। 24 घंटे में यहां ढाई से साढ़े 4 इंच तक बारिश हो सकती है। भोपाल जिले में अब तक 38 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो 40 इंच के सीजनल कोटे से केवल 2 इंच कम है। बड़ा तालाब छलकने की कगार पर पहुंच गया है। इसका जलस्तर 1666.20 फीट हो गया है जबकि फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है। ऐसे में भदभदा डैम के गेट किसी भी समय खोले जा सकते हैं। शाजापुर में अकोदिया के मदाना गांव में 33/11 केवी उप केंद्र में आकाशीय बिजली गिरी। इससे 8 गांवों में बिजली सप्लाई बंद हो गई।

भोपाल में निकलेगा ईद मुलादुन्नबी का जुलूस, बंटेगा लंगर, मंगलवारा से शुरू होगा, कई रास्तों से गुजरेगा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में शुक्रवार को ईद मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस निकलेंगे और लंगर बंटेगा। जुलूस के दौरान दोपहर के समय पुराने शहर में ट्रैफिक पर असर पड़ सकता है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के चेयरमैन अहमद खुर्रम एवं जुलूस संयोजक अब्दुल नफीस, आशिकान-ए-रसूल एहले सुन्नत वल जमात समिति मप्र के प्रदेश महासचिव तौकीर निजामी ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवारा चौराहा से परंपरागत मुख्य जुलूस बाद नमाज जुमा दोपहर 2 बजे विधायक आरिफ मसूद के संरक्षण में निकलेगा। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर मस्जिदों, मदारिसों, खानकाहों में कुरआन ख्वानी और फातिहा के आयोजन भी किए जाएंगे। मंगलवारा से निकलने वाले मुख्य जुलूस में विभिन्न चौराहों और मोहल्लों से जत्थों के साथ शामिल होंगे। जुलूस मंगलवारा से प्रारंभ होकर छावनी, भारत टॉकीज चौराहा, सेंट्रल लायब्रेरी रोड से इतवारा चौराहा से इस्लामपुरा, बैंड मास्टर चौराहा, बुधवारा चार बत्ती चौराहा पर सामूहिक दुआ के साथ समापन किया जाएगा।

आशिकान-ए-रसूल एहले सुन्नत वल जमात समिति मप्र और ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के तत्वावधान में शुक्रवार को ही अशोका गार्डन से जुलूस निकलेगा। जुलूस अशोका गार्डन से जिंसी पुलिस चौकी के पास पहुंचेगा। जहां विधायक मसूद की मौजूदगी में समापन होगा।

नदी बचाने के लिए जन आंदोलन, मंत्री पटेल ने अमरकंटक पर 100वां संकल्प निभाया

दैनिक कारखाने का सफर। जबलपुर

मप्र के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गुरुवार को अपनी उद्गम मानस यात्रा का 102वां पड़ाव पूरा किया। वे डिंडोरी जिले के चौरा दादर (जनपद पंचायत करंजिया) स्थित सोन तीरथ नदी के उद्गम स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने नदी पूजन और पौधरोपण किया। इसके बाद वे अमरकंटक पहुंचे और मां नर्मदा के उद्गम गौमुख द्वार पर सपत्नीक पूजा-अर्चना कर 100वां संकल्प पूरा किया। मंत्री ने बताया कि गुरुवार को नर्मदा उद्गम पर पहुंचकर उन्होंने 100वां संकल्प पूरा किया। अब उनका लक्ष्य प्रदेश की 108 नदियों के उद्गम स्थलों तक पहुंचना और उनके संरक्षण का प्रयास करना है। पटेल ने कहा कि यह यात्रा उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रेरणा लेकर शुरू की है। 'नदी है तो सदी है' का संदेश देते हुए मंत्री ने कहा कि छोटी नदियों और सहायक धाराओं का प्रवाह सुरक्षित रहेगा, तभी बड़ी नदियां जीवित रह पाएंगी। पटेल ने ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन और वृक्षारोपण को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने अफसरों को उद्गम स्थलों की स्वच्छता और विकास कार्यों पर ध्यान देने के निर्देश दिए। उनका कहना है कि यह सिर्फ सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि जन आंदोलन है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम चिकित्सालय भोपाल में आयोजित चिकित्सालय सलाहकार रख रखाव समिति की बैठक हुई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कर्मचारी राज्य बीमा निगम चिकित्सालय भोपाल में आयोजित चिकित्सालय सलाहकार रख रखाव समिति की बैठक में पर्यवेक्षक अधिकारी कर्मचारी संघ की ओर से महेश मालवीय द्वारा भोपाल में बीमाधारी दो लाख श्रमिकों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं चिकित्सालय में ब्लड बैंक, इमरजेंसी इलाज तत्काल मिले का मुद्दा रखा शैलेन्द्र चौधरी अधीक्षक चिकित्सालय एवं परमानंद उप निदेशक वित्त तथा अंजली कटियार उप निदेशक प्रशासन द्वारा सहमति दी गई। मालवीय श्रमिक नेताजी द्वारा चिकित्सालय के दोनों मुख्य गेट पर चिकित्सालय का साइन बोर्ड लगना चाहिए, जिस पर अधीक्षक द्वारा सहमति व्यक्त की गई। मालवीय द्वारा सोनागिरी औषधालय को बीएचईएल की खाली औषधालय में शिफ्ट करने पर तुरंत बीएचएल अधिकारी से दूरभाष पर बात कराई गई एवं अधिकारी तथा कर्मचारी हेतु चालीस एफ टाइप मकान हेतु भी सहमति दी गई। महेश मालवीय एवं अन्य प्रतिनिधि द्वारा चिकित्सालय का भ्रमण किया गया।

सनातन संस्था द्वारा प्रस्तुत पितृपक्ष विशेष : श्राद्धकर्म की कुछ विधियों का अध्यात्मशास्त्र

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

हिंदु धर्म में उल्लेखित ईश्वरप्राप्ति के मूलभूत सिद्धांतों में से एक सिद्धांत 'देवऋण, ऋषिऋण, पितृऋण एवं समाजऋण, इन चार ऋणों को चुकाना है । इनमें से पितृऋण चुकाने के लिए पितृपक्ष में 'श्राद्ध' करना आवश्यक है । माता-पिता तथा अन्य निकटवर्ती संबंधियों की मृत्योपरांत, उनकी आगे की यात्रा सुखमय एवं क्लेशरहित हो तथा उन्हें सद्गति प्राप्त हो, इस उद्देश्यसे किया जानेवाला संस्कार है 'श्राद्ध' । पितृपक्ष में श्राद्धविधि करने से अतृप्त पितरों के कष्टसे मुक्ति होनेसे हमारा जीवन भी सुखमय होता है । श्राद्ध की विभिन्न विधियों का अध्यात्मशास्त्र हम इस लेख के माध्यम से जानेंगे। इससे श्राद्ध जैसे धार्मिक कर्म का महत्व और श्रेष्ठता समझ में आएगा।

देवकार्य में निषिद्ध मानी जाने वाली चाँदी की वस्तुएँ श्राद्ध में क्यों उपयोग की जाती हैं ? पूजाकार्यों में चाँदी का उपयोग निषिद्ध माना गया है, परंतु उसमें विद्यमान रजोगुण और वायुतत्त्व के कारण पितर नैवेद्य (भोजन) शीघ्र ग्रहण कर पाते हैं, इसलिए श्राद्ध में चाँदी की वस्तुओं का उपयोग किया जाता है।

मत्स्यपुराण के अनुसार :

"सौवर्णं राजतं वाऽपि पितृणां पात्रमुच्यते ।" (अध्याय 17, श्लोक 20)

अर्थ : पितरों से संबंधित विधि के लिए सोने या चाँदी के पात्र का उपयोग करना चाहिए ।

"शिवनेत्रोद्भवं यस्मात् तस्मात् तत्पितृवल्लभम् । अमङ्गलं तद्यत्नेन देवकार्येषु वर्जयेत् ॥" (अध्याय 17, श्लोक 23)

अर्थ : चाँदी भगवान शंकर के तृतीय नेत्र से उत्पन्न हुई है, इस कारण वह पितृकार्य के लिए उपयुक्त है; परंतु देवकार्य में वह अशुभ मानी जाती है, इसलिए उसका उपयोग टालना चाहिए।

अध्यात्मशास्त्रीय विश्लेषण :

चाँदी में सत्त्वगुण 50%, रजोगुण 40% और तमोगुण 10% है। उसमें वायुतत्त्व भी अधिक है। इसलिए चाँदी के पात्र में रखा नैवेद्य पितरों को शीघ्र ग्रहण करना सम्भव होता है। इस प्रकार पितरों को चांदी का लाभ मिलता है। इसलिए पितृकार्य में इसका उपयोग श्रेष्ठ माना

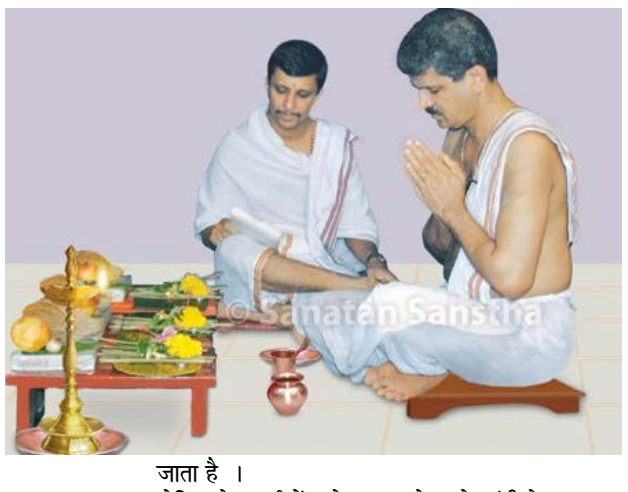

जाता है ।

लेकिन देवकार्य में रजोगुण बढ़ाने वाले चांदी के उपकरणों का उपयोग करने पर देवकार्य से उत्पन्न सात्त्विकता का लाभ सभी को प्राप्त नहीं होता । इसलिए देवपूजा में चाँदी का प्रयोग टालना चाहिए।

-कु. मधुरा भोसले, सनातन संस्था

(श्राद्धविधि में सोना अथवा चाँदी से बनी वस्तुएँ उपयोग की जा सकती हैं। परंतु आज के समय में सामान्य मनुष्य के लिए सोने के उपकरणों का प्रयोग व्यावहारिक दृष्टि से संभव नहीं होता, इसलिए यहाँ मुख्य रूप से चाँदी से संबंधित शास्त्र का उल्लेख किया गया है।)

श्राद्ध में रंगोली क्यों नही बनानी चाहिए ?

रंगोली बनाना शुभकर्म का प्रतीक माना जाता है, जिससे देवताओं की सात्त्विक तरंगों का स्वागत होता है। परंतु पितृकर्म के समय वातावरण में रज-तम प्रधान तरंगें सक्रिय होती हैं। इसलिए श्राद्ध में रंगोली बनाना वर्जित है। भस्म से रंगोली बनाने पर उससे निकलने वाली तेजतत्त्व प्रधान तरंगें पितरों को अर्पित किये जाने वाले हविर्भाग (अन्न/पदार्थ) का नकारात्मक शक्तियों से रक्षण करती हैं और उन्हें शीघ्र संतुष्टि प्राप्त होती है। इसलिए श्राद्ध में भस्म से रंगोली बनाई जा सकती है ।

देवपूजा की विधियां घड़ी की दिशा में और श्राद्ध की विधियां विपरीत दिशा में क्यों की जाती हैं ?

देवकार्य में सभी विधियां देवताओं को आवाहन करने हेतु होती हैं। देवताओं की सात्त्विक तरंगें घड़ी की दिशा में आती हैं, इसलिए देवपूजा की विधियां उसी दिशा में की जाती हैं । इसे प्रदक्षिणा कहते हैं।

पितृकार्य में रज-तम प्रधान तरंगें घड़ी की विपरीत दिशा में प्रवाहित होती हैं, इसलिए श्राद्ध की सभी विधियां विपरीत दिशा में की जाती हैं। इसे ही अप्रदक्षिण कर्म कहते हैं।

श्राद्ध में देवस्थानी ब्राह्मण पूर्वाभिमुख और पितृस्थानी ब्राह्मण उत्तराभिमुख क्यों बैठते हैं ?

पूर्व-पश्चिम दिशा में क्रिया तरंगें (ज्ञान, इच्छा और क्रिया तरंगें) अधिक घनीभूत होती हैं। मंत्रोच्चार से वे शीघ्र गति प्राप्त करती हैं, इसलिए देवस्थानी ब्राह्मण पूर्व की ओर मुख करके बैठते हैं।

पितरों के आगमन के लिए यमतरंगें उत्तर-दक्षिण दिशा में अधिक सक्रिय रहती हैं। इसलिए पितृस्थानी ब्राह्मण उत्तराभिमुख बैठते हैं।

श्राद्धविधि से होने वाले लाभ

(अ) यजमान को लाभ : ब्राह्मणों के माध्यम से देवता और पितर संतुष्ट होकर यजमान को आशीर्वाद देते हैं। पितृदोष का प्रभाव घटता है तथा परिवार को भी लाभ होता है। तथा पितरों को आगे की गति मिलती है।

(आ) ब्राह्मणों को लाभ : श्राद्ध में दो प्रकार के ब्राह्मण होते हैं – देव-ब्राह्मण और पितृ-ब्राह्मण। देव-ब्राह्मण को सात्त्विक ऊर्जा प्राप्त होती है और उनके माध्यम से देवता भी अन्न ग्रहण करते हैं। पितृ-ब्राह्मण को दिया गया दान शीघ्र फलित होता है।

संदर्भ : सनातन का ग्रंथ 'श्राद्ध'

शिक्षक छात्र छात्राओं के भाग्य निर्माता तो हैं ही बो राष्ट्र के भी निर्माता है -किशन सूर्यवंशी अध्यक्ष नगर निगम भोपाल

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

शिक्षक सम्मान समारोह में नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु का स्थान सर्वोपरि है। गुरु ही वह शक्ति हैं जो केवल छात्र के भविष्य का ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के निर्माण का कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि शास्त्रों में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान बताया गया है। भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण जैसे अवतारों ने भी आश्रमों में शिक्षा ग्रहण की। इससे सिद्ध होता है कि चाहे सामान्य विद्यार्थी हों या ईश्वर के अवतार, सबके जीवन में गुरु की भूमिका अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक विकसित भारत का जो सपना देखा गया है, उसमें शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्त और जिम्मेदार नागरिक गढ़ने वाला होता है।" सूर्यवंशी ने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा ने सदैव दुनिया को मार्गदर्शन दिया है। नालंदा विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान-केंद्रों को नष्ट इसलिए किया गया क्योंकि दुनिया को भय था कि भारत ज्ञान के बल पर विश्व नेतृत्व करेगा। आज भारत पुनः 'विश्वगुरु' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गणेश उत्सव का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गणेश जी ने अपने माता-पिता की परिक्रमा कर यह संदेश दिया कि माता-पिता ही संपूर्ण संसार हैं। यह शिक्षा आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने कहा कि शिक्षक का सम्मान करना सूर्य को दीप दिखाने के समान है। शिक्षक के भीतर उद्यम, साहस, धैर्य, बुद्धि, शक्ति और पराक्रम जैसे गुण होते हैं और यही गुण राष्ट्र निर्माण का आधार बनते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में चांसलर वी.एस. यादव, सम्माननीय शिक्षकगण और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश की महादेवी कुलतार कौर कक्कड़ को साहित्यकारों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल भारतीय साहित्य परिषद भोपाल इकाई व भोपाल की सभी साहित्यिक संस्थाओं की ओर से दुष्यंत संग्रहालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें अखिल भारतीय साहित्य परिषद की राष्ट्रीय मंत्री डॉ साधना बलवटे ने कहा कि छायावाद का फिर अंत हो गया। अभासाप भोपाल इकाई की अध्यक्ष डॉक्टर नुसरत मेहदी ने कुलतार जी को विशिष्ट शैली की धनी रचनाकार बताया। हिन्दी लेखिकासंघ अध्यक्ष डॉ साधना गंगराड़े ने स्मरण करते हुये कहा कि वे अपनी रचनाओं के माध्यम से हमेशा अमर रहेंगी। अभासाप भोपाल इकाई की महामंत्री सुनीता यादव ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये कहा- दीदी लेखनी की कर्मठ जिजीविषा रही है। हिन्दी लेखिका संघ म प्र की ओर से डॉ साधना गंगराड़े ने उनके बहुआयामी व्यक्तित्व के संदर्भ में प्रकाश डाला और साहित्यिक संस्मरण सुनाये। , लेखक संघ म प्र की ओर से रामवल्लभ आचार्य जी, मनीष बादल, कलामंदिर की ओर से गौरीशंकर गौरीश जी, श्री हरिवल्लभ शर्मा व सीमा हरि शर्मा , दुष्यंत संग्रहालय की ओर से करुणा राजुरकर ने, विश्व मैत्री मंच की ओर से शेफालिका श्रीवास्तव ने, सकलपर्णा संस्था से अनीता सक्सेना,बाल साहित्य शोध केंद्र की ओर से महेश सक्सेना जी ने,प्रभात साहित्य परिषद से रमेश नंद,निर्दलीय प्रकाशन की ओर से कैलाश आदमी जी, उषा जायसवाल डॉ कुमकुम गुप्ता ने व वरिष्ठ नागरिक मंच से कमल चंद्रा, वी के श्रीवास्तव, सुनीता केशवानी एवं लेखिकासंघ से साधना शुक्ला, भावुक संस्मरण साझा किये। कशिश नायर ने प्रीति अरोरा बिटिया की काव्य पंक्ति सुनायी। कुलतार जी के दामाद प्रदीप नायर जी ने उनके संस्मरण सुनाकर सबको भावुक कर दिया। उनकी बिटिया नवनीत व सुमीत भी उपस्थित रही। राजकुमारी चौकसे ने कुलतार कौर जी का एक छायाचित्र कोलॉज बनाकर परिवार को भेंट किया। श्रद्धांजलि सभा में रेखा भटनागर, पुरुषोत्तम तिवारी, एवं अन्य सभी साहित्यिक संस्थाओं के रचनाकारों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कुलतार जी की स्मृति में बिटिया ने सभी साहित्यकारों को डायरी व पेन भेट किये।

अवधपुरी तिराहे से एसओएस बालग्राम तक सीसी रोड का भूमि पूजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अवधपुरी तिराहे से एसओएस बालग्राम तक सीसी रोड का भूमि पूजन गुरुवार को प्रदेश की मंत्री कृष्णा गौर ने किया। इस मौके पर की नागरिक मौजूद थे।

नए जीएसटी स्लैब से टेंट व्यापारी निराश पर कैटरिंग व्यापारी खुश

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

फेडरेशन ऑफ़ एम पी टेंट एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी का जो नया स्लैब आया है उसमें में टेंट व्यापारियों पर 18 % जीएसटी को कम ना करने से टेंट व्यापारीयों में काफी निराशा का माहौल बना हुआ है । फेडरेशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह खनूजा ने बताया कि सरकार एक तरफ कहती है "बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ" वहीं दूसरी तरफ उसी बेटी की शादी पर 18% जीएसटी बसूलना कहां तक उचित है।एक बेटी का बाप अपने जीवन भर की कमाई को शादी में खर्च कर बड़ी मुश्किल से शादी सम्पन्न कर पाता है ऊपर से उस पर ये 18% जीएसटी उस पर बहुत भारी होता है फेडरेशन के कोषाध्यक्ष ने संजय जैन ने बताया कि टेंट व्यवसाय एक सीजनल व्यवसाय है साल भर में लगभग 50 विवाह के मुहूर्त निकलते हैं उसी से टेंट व्यापारियों को पूरा साल का अपने परिवार का पालन पोषण करना पड़ता है । फेडरेशन के चेयरमैन ने बताया की डेरी प्रोडक्ट, आइसक्रीम एवं किराना पर जीएसटी कम करने से कैटरिंग व्यवसाय को लाभ होगा।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में कवि-गोष्ठी सम्पन्न

ग़म और खुशी हैं जीवन के दर्पण जिसमें झलकता है जीवन का समर्पण..!

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

स्वरचित साहित्य मंच और हिंदी विभाग के संयुक्त प्रयास से बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कविता की धारा बही। कवि गोष्ठी का महत्वपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ | इस कवि-गोष्ठी में ।कवि बने महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.संजय जैन ने इस अभिनव आयोजन को साहित्य क्लब की विशेष उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि स्वरचित साहित्य मंच का यह कार्यक्रम नवाचार की दिशा में मील का पत्थर है। आकाश हमारा है, परचम लहराना है और कुछ कही कुछ अनकही जैसी साहित्यिक थीम पर विद्यार्थियों ने कविता का अनूठा संसार रचा।प्राची विश्वकर्मा ने अपनी कविता सुनाकर सबको भावुक कर दिया। कविता यादव ने यदि मैं किताब होती शीर्षक से गहरी बात कही। त्रिवेणी,सीता रजक ,जोया, तुषार और रश्मि अहिरवार ने भी कविगोष्ठी को आगे बढ़ाया। महाविद्यालय के श्री रमाकांत तिवारी ने जाग उठा अब देश हमारा शीर्षक से सभागार में देशभक्ति का रंग भर दिया। श्रीमती आरती पटेल डॉ.अर्चना गौर,डॉ.कीर्ति श्रीवास्तव ,डॉ. इलारानी श्रीवास्तव ने अपनी मौलिक कविताएं पढ़ीं।डॉ. सुषमा जादौन ने मां अभी हैं और मां अब नहीं हैं दो कविताओं की प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। सभागार में कला, वाणिज्य और विज्ञान के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। महाविद्यालय परिवार की उपस्थिति से यह कार्यक्रम गरिमामय बन गया। प्रतिभागियों को प्राचार्य महोदय द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इला रानी श्रीवास्तव और आभार प्रदर्शन डॉ.कमलेश सिंह नेगी ने किया।

देश के समक्ष बड़ी चुनौती!

शिक्षक समाज में उच्च आदर्श स्थापित करने वाला व्यक्तित्व होता है। किसी भी देश या समाज के निर्माण में शिक्षा की अहम भूमिका होती है, कहा जाए तो शिक्षक समाज का आईना होता है। हिन्दू धर्म में शिक्षक के लिए कहा गया है कि आचार्य देवो भवः यानी कि शिक्षक या आचार्य ईश्वर के समान होता है। यह दर्जा एक शिक्षक को उसके द्वारा समाज में दिए गए योगदानों के बदले स्वरूप दिया जाता है। शिक्षक का दर्जा समाज में हमेशा से ही पूजनीय रहा है। कोई उसे गुरु कहता है, कोई शिक्षक कहता है, कोई आचार्य कहता है, तो कोई अध्यापक या टीचर कहता है ये सभी शब्द एक ऐसे व्यक्ति को चित्रित करते हैं, जो सभी को ज्ञान देता है, सिखाता है और जिसका योगदान किसी भी देश या राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करना है। सही मायने में कहा जाये तो एक शिक्षक ही अपने विद्यार्थी का जीवन गढता है। और शिक्षक ही समाज की आधारशिला है। एक शिक्षक अपने जीवन के अन्त तक मार्गदर्शक की भूमिका अदा करता है और समाज को राह दिखाता रहता है, तभी शिक्षक को समाज में उच्च दर्जा दिया जाता है। माता-पिता बच्चे को जन्म देते हैं। उनका स्थान कोई नहीं ले सकता, उनका कर्ज हम किसी भी रूप में नहीं उतार सकते, लेकिन एक शिक्षक ही है जिसे हमारी भारतीय संस्कृति में माता-पिता के बराबर दर्जा दिया जाता है। क्योंकि शिक्षक ही हमें समाज में रहने योग्य बनाता है। इसलिये ही शिक्षक को समाज का शिल्पकार कहा जाता है। गुरु या शिक्षक का संबंध केवल विद्यार्थी को शिक्षा देने से ही नहीं होता बल्कि वह अपने विद्यार्थी को हर मोड़ पर उसको राह दिखाता है और उसका हाथ थामने के लिए हमेशा तैयार रहता है। विद्यार्थी के मन में उमडे हर सवाल का जवाब देता है और विद्यार्थी को सही सुझाव देता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए सदा प्रेरित करता है। एक शिक्षक या गुरु द्वारा अपने विद्यार्थी को स्कूल में जो सिखाया जाता हैं या जैसा वो सीखता है वे वैसा ही व्यवहार करते हैं। उनकी मानसिकता भी कुछ वैसी ही बन जाती है जैसा वह अपने आसपास होता देखते हैं। इसलिए एक शिक्षक या गुरु ही अपने विद्यार्थी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी है जो हमें गुरु द्वारा प्रदान की जाती है। विश्व में केवल भारत ही ऐसा देश है यहाँ पर शिक्षक अपने शिक्षार्थी को ज्ञान देने के साथ-साथ गुणवत्ता युक्त शिक्षा भी देते हैं, जो कि एक विद्यार्थी में उच्च मूल्य स्थापित करने में बहुत उपयोगी है। जब अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश का राष्ट्रपति आता है तो वो भारत की गुणवत्ता युक्त शिक्षा की तारीफ करता है। किसी भी राष्ट्र का आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास उस देश की शिक्षा पर निर्भर करता है। अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी है तो उस देश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी नहीं होगी तो वहाँ की प्रतिभा दब कर रह जायेगी बेशक किसी भी राष्ट्र की शिक्षा नीति बेकार हो, लेकिन एक शिक्षक बेकार शिक्षा नीति को भी अच्छी शिक्षा नीति में तब्दील कर देता है। शिक्षा के अनेक आयाम हैं, जो किसी भी देश के विकास में शिक्षा के महत्व को अधोरेखांकित करते हैं। वास्तविक रूप में ज्ञान ही शिक्षा का आशय है, ज्ञान का आकांक्षी है- विद्यार्थी और इसे उपलब्ध कराता है शिक्षक। एक शिक्षक द्वारा दी गयी शिक्षा ही शिक्षार्थी के सर्वांगीण विकास का मूल आधार है। प्राचीन काल से आज पर्यन्त शिक्षा की प्रासंगिकता एवं महत्ता का मानव जीवन में विशेष महत्व है। शिक्षकों द्वारा प्रारंभ से ही पाठ्यक्रम के साथ ही साथ जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती है। शिक्षा हमें ज्ञान, विनम्रता, व्यवहार कुशलता और योग्यता प्रदान करती है। शिक्षक को ईश्वर तुल्य माना जाता है। आज भी बहुत से शिक्षक शिक्षकीय आदर्शों पर चलकर एक आदर्श मानव समाज की स्थापना में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। लेकिन इसके साथ-साथ ऐसे भी शिक्षक हैं जो शिक्षक और शिक्षा के नाम को कलंकित कर रहे हैं, और ऐसे शिक्षकों ने शिक्षा को व्यवसाय बना दिया है, जिससे एक निर्धन शिक्षार्थी को शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है और धन के अभाव से अपनी पढाई छोडनी पडती है। आधुनिक युग में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक वह पथ प्रदर्शक होता है जो हमें किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि जीवन जीने की कला सिखाता है। आज के समय में शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण हो गया है। शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण देश के समक्ष बड़ी चुनौती हैं। पुराने समय में भारत में शिक्षा कभी व्यवसाय या धंधा नहीं थी। इससे छात्रों को बडी कठिनाई का सामना करना पड रहा है। शिक्षक ही भारत देश को शिक्षा के व्यवसायीकरण और बाजारीकरण से स्वतंत्र कर सकते हैं। देश के शिक्षक ही पथ प्रदर्शक बनकर भारत में शिक्षा जगत को नई बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। गुरु एवं शिक्षक ही वो हैं जो एक शिक्षार्थी में उचित आदर्शों की स्थापना करते हैं और सही मार्ग दिखाते हैं। एक शिक्षार्थी को अपने शिक्षक या गुरु प्रति सदा आदर और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। किसी भी राष्ट्र का भविष्य निर्माता कहे जाने वाले शिक्षक का महत्व यहीं समाप्त नहीं होता क्योंकि वह ना सिर्फ हमको सही आदर्श मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि प्रत्येक शिक्षार्थी के सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है। किसी भी देश या राष्ट्र के विकास में एक शिक्षक द्वारा अपने शिक्षार्थी को दी गयी शिक्षा और शैक्षिक विकास की भूमिका का अत्यंत महत्व है। आज शिक्षक दिवस है, आज का दिन गुरुओं और शिक्षकों को अपने जीवन में उच्च आदर्श जीवन मूल्यों को स्थापित कर आदर्श शिक्षक और एक आदर्श गुरु बनने की प्रेरणा देता है।

इंडोनेशिया जैसा माहौल!

इंडोनेशिया की राजधानी में संसद पहुंचने की कोशिश कर रहे हजारों पत्थरबाज छात्रों पर दंगा पुलिस ने आंसू गैस के कई राउंड दागे। ये छात्र संसद सदस्यों के भव्य भत्तों का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी हाल की रिपोर्टों से नाराज थे कि प्रतिनिधि सभा के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से प्रति माह 50 मिलियन रुपिया (एसडी 3,075) का आवास भत्ता मिल रहा है। सांसदों को प्रति महीने दिया जाने वाला भत्ता एक इंडोनेशियाई नागरिक के प्रति महीने आय से 20 गुना ज्यादा है। इंडोनेशिया की संसद के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से 5 करोड़ रुपये (3,075 डॉलर) आवास भत्ता के तौर पर दिए जा रहे हैं। इंडोनेशिया में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कार्यकर्ताओं का कहना है कि 28 करोड़ से ज़्यादा की आबादी वाले देश में पुलिस और संसद सदस्यों को व्यापक रूप से भ्रष्ट माना जाता है। नेताओं के रवैये को देखकर लगता है कि भारत में भी देर-सबेर ऐसे हालात बन रहे हैं। मंत्री, सांसद-विधायकों का सही मायने में देश के लोगों की हालत से ज्यादा सरोकार नहीं रह गया है। संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में चर्चा के लिए 120 घंटे तय थे किन्तु 37 घंटे ही चर्चा हो पाई। हंगामें के कारण कार्रवाई ठप होने से जनता कई सौ करोड़ के धन का नुकसान हुआ। लगातार व्यवधानों के कारण केवल एक तिहाई समय तक ही सक्रिय रूप से चल पाया। इसमें बड़ा हिस्सा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का रहा। अधिकांश समय हंगामे में बीता, जिससे विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित किए गए। राज्य सभा में 285 सवाल पूछने के बावजूद केवल 14 सवालों का ही जवाब सत्र के दौरान दिया गया। लगातार 20 दिनों तक इंडिया ब्लॉक से जुड़े विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण केमुद्दे पर लोक सभा और राज्य सभा के अंदर और बाहर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। इसकी वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही काफी बाधित हुई। राज्य सभा के डिप्टी चेयरमैन हरवंश ने मॉनसून सत्र के आखिरी दिन अपने समापन भाषण में कहा कि कुल मिलाकर, सदन केवल 41 घंटे 15 मिनट ही चल पाया। इस सत्र की उत्पादकता निराशाजनक रूप से सिर्फ 38.88 प्रतिशत रही, जो गंभीर आत्मचिंतन का विषय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चुने हुए जनप्रतिनिधी देशहित के लिए कितने गंभीर हैं। काम नहीं तो वेतन नहीं, संसद में इस मुद्दे पर कोई आवाज नहीं उठाता। किसी भी कारण से संसद का कामकाज हो या नहीं, इससे सांसदों को फर्क नहीं पड़ता। उन्हें पूरा वेतन-भत्ता मिलता है। काम नहीं करने के आधार पर इसमें कटौती की कोई चर्चा तक नहीं करता। दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेश के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल अकेले ऐसे सांसद रहे जिन्होंने यह मांग उठाई। उन्होंने कहा था कि अगर सदन नहीं चलता है, तो सांसदों को भत्ता भी नहीं मिलना चाहिए। उनका दावा था कि सांसदों को भत्ता तो मिलता है, लेकिन जनता के काम नहीं हो पाते। उन्होंने आरोप लगाया था कि सत्ता और विपक्ष दोनों की इगो के कारण सदन नहीं चलने दिया जा रहा है, जबकि विपक्षी दल सरकार को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में कार्य नहीं होने पर सांसदों का वेतन और अन्य लाभ रोके जाने चाहिए। संसद की कार्रवाई ठप करने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोपों का ठीकरा फोड़ते हैं, लेकिन जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब मिल कर एक हो जाते हैं। इस पर कोई बहस तक नहीं होती। वेतन-भत्तों के एवज में सांसदों की उत्पादकता कितनी रही, इसका विश्लेषण तक नहीं किया जाता। देश जब 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है, तब उस दौरान मॉनसून सत्र में 79 घंटे भी संसद नहीं चली। देश की संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ। इससे 124 करोड़ 50 लाख रुपए जनता का धन बर्बाद हुआ। राज्यसभा में 73 घंटे ठप रही, इससे 80 करोड़ रुपए व्यर्थ गए। मतलब दोनों सदनों में मिलाकर 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद कर दिए गए। संसद में जहां घंटाभर बैठकर सांसद काम नहीं कर सकते हैं, उन्हें ही 5-5 साल की जिम्मेदारी देकर जनता भेज देती है। संसद में बैठने वाले 93 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं, जिन्हें अभी एक लाख 24 हजार रुपए हर महीने वेतन मिलता है। संसदीय क्षेत्र भत्ता 84 हजार रुपए होता है। दैनिक भत्ता सांसदों का 2500 रुपए है। वेतन भत्ता जोड़कर हर सांसद को हर महीने दो लाख 54 हजार रुपए जनता के पैसे से दिया जाता है। देशहित के नाम पर हंगामा कर संसद की कार्रवाई ठप करने में सांसद कोई मौका नहीं छोड़ते पर जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब एक हो जाते हैं। गत वर्ष संसद सदस्यों के वेतन में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। नया वेतन 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी माना गया। इसके साथ ही सांसदों का मासिक वेतन कुछ भत्तों और सुविधाओं के अलावा 1.24 लाख रुपये हो गया है। सरकार का कहना था कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए सांसदों के वेतन में वृद्धि की गई। वहीं पूर्व सदस्यों के लिए पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन की घोषणा की गयी। इसमें कहा गया है कि दैनिक भत्ता 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया है। पूर्व सांसदों की पेंशन 25,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 31,000 रुपये प्रति माह कर दी गई। पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन 2,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह कर दी गई। 1954 के सांसद वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम के तहत उन्हें यह सुविधा दी गई है। हर पांच साल में होता है रिव्यू 2018 के बाद से सांसदों के वेतन और भत्ते की हर पांच साल पर समीक्षा होती है। यह समीक्षा महंगाई दर पर आधारित होती है। 2018 में सांसदों के वेतन और भत्तों के लिए कानून में संशोधन किया गया था। सांसदों को विट्ठलभाई पटेल (वीपी) हाउस में हॉस्टल से लेकर मध्य दिल्ली में दो बेडरूम वाले फ्लैट और बंगले तक आवास मिलता है। उन्हें बिजली, पानी, टेलीफोन और इंटरनेट शुल्क के लिए भी राशि दी जाती है। संसद में निरंतर हंगामे के परिणामस्वरूप दोनों सदनों में लंबे समय तक स्थगन होता है जो अंततः सदन में सार्वजनिक नीति के निर्माण को प्रभावित करता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में से एक है, जहां नीति पर अपनी राय के साथ हर किसी की अपनी आवाज है, लेकिन ये लंबे समय तक व्यवधान संसद की क्षमता को कम कर रहा है। दिन के अंत में हमें क्या परिणाम मिलता है, और चर्चा से हमें कितना लाभ होता है? संसद अपने नियम और विनियम बनाती है, विधायी निकायों के प्रभावी कामकाज के लिए उन नियमों और विनियमों का पालन करना सदस्यों पर निर्भर है। ऐसा कब तक होगा? संसद को व्यक्तिगत स्तर और पार्टी स्तर दोनों पर आंतरिक जांच और संतुलन के साथ आना होगा। बार-बार व्यवधान डालने पर आनुपातिक दंड लगाया जा सकता है। एक संसद व्यवधान सूचकांक तैयार किया जा सकता है जिस पर व्यवधानों का स्वतः निलंबन लागू किया जा सकता है। साथ ही संसद के कार्य दिवसों में वृद्धि की जानी चाहिए। लगातार व्यवधान एक नया मानदंड बनता जा रहा है जो पार्टियों के बीच विश्वास की कमी को बढ़ाता है। यह प्रवृत्ति एक स्वस्थ लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली की निष्पक्षता में सेंध के लिए खराब है।

- योगेन्द्र योगी

अब जब कोई और मुद्दा नहीं

उल्लेखनीय बात है कि बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में गाली देने की जहां यह घटना हुई, वहां राहुल और तेजस्वी गए ही नहीं थे। यात्रा जब 27 अगस्त को दरभंगा जिले से गुजर रही थी तो सिंहवाड़ा में अतरबेल गांव में एक स्वागत मंच लगाया गया था। ऐसे मंच यात्रा के रास्ते में जगह जगह लगे थे। कहीं राहुल और तेजस्वी रुकते थे। कहीं नहीं। अतरबेल के स्वागत मंच पर राहुल और तेजस्वी गए भी नहीं। गाली देने वाले को न कोई जानता है न उसकी कोई राजनीतिक पहचान है। और उसे गिरफ्तार भी कर लिया जाता है। भारत में खास तौर पर देश के हिंदी इलाकों में जो शब्द सबसे ज्यादा बोला जाता है वह मां और बहन की गाली ही है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एक ही गाली का जिक्र किया। यदि वे गालियों के खिलाफ देश में कोई माहौल बनाना चाह रहे होते तो कहते कि इस तरह की हर गाली मां-बहन का अपमान है। मगर उन्होंने एक गाली की बात की और कहा कि यह मेरी मां को नहीं देश भर की महिलाओं को दी गई है। और इसके खिलाफ उन्होंने कांग्रेस और राजद के नेताओं के खिलाफ आंदोलन करने को कहा। देश में कौन व्यक्ति ऐसा होगा जिसने इस तरह की गाली नहीं सुनी हो। कमजोर ने अपने मुंह के सामने सुनी और पीढ़ियों से सुनाता आ रहा है और बाकी

लोगों को पीठ पीछे दी गई। जैसे जिसका जिक्र मोदी जी कर रहे हैं वह। कहा जाता है कि पीठ पीछे तो राजा को भी गाली दी जाती है। मगर राजा को उसके नाम पर वोट नहीं लेना होते है इसलिए वह कभी मुद्दा नहीं बन पाई। और अब तो राजा रानी है नहीं मगर उनके बाद जो लोकतंत्र आया तो सबसे ज्यादा गालियां देश में लोकतंत्र लाने के लिए अंग्रेजों और राजा महाराजाओं से भी लड़ने वाले नेहरू-गांधी परिवार को मिलीं। उनकी गालियों के लिए तो भक्त कहते हैं क्यों मिलीं? मतलब गालियों को ही जस्टिफाई करते हैं। मगर यहां किसी एक ने भी समर्थन नहीं किया। देने वाला व्यक्ति तत्काल गिरफ्तार भी हो गया। सबने उसकी कड़े शब्दों में निंदा की। यहां एक बात और उल्लेखनीय है। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा जहां यह घटना हुई, वहां राहुल और तेजस्वी गए ही नहीं थे। यात्रा जब 27 अगस्त को दरभंगा जिले से गुजर रही थी तो सिंहवाड़ा में अतरबेल गांव में एक स्वागत मंच लगाया गया था। ऐसे मंच यात्रा के रास्ते में जगह जगह लगे थे। कहीं राहुल और तेजस्वी रुकते थे। कहीं नहीं। अतरबेल के स्वागत मंच पर राहुल और तेजस्वी गए भी नहीं। यात्रा जब काफी आगे निकल गई और नेता कार्यकर्ता सब उसके साथ चले गए तब यह गाली दी गई। और देने के साथ ही आवाजें आती हैं कि गलत बात गलत बात है और गाली देने वाले से माइक छीन लिया जाता है। गाली देने वाले को न कोई जानता है। न उसकी कोई राजनीतिक पहचान है। और उसे गिरफ्तार भी कर लिया जाता है। जैसा कि राहुल ने कहा कि क्या मैंने या तेजस्वी ने गाली दी? क्या मेरे सामने गाली दी? इसका कोई जवाब नहीं है। जबकि जो मोदी जी जो गाली को मुद्दा बना रहे हैं खुद उन्होंने क्या क्या कहा है कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड, सुर्पणखा, दीदी ओ दीदी, कांग्रेस को सवा सौ साल की बुढ़िया, कब्रिस्तान श्मशान जैसी तुलनाएं कितना बताएं! और उनकी पार्टी के नेताओं की जिनमें मंत्री और मुख्यमंत्री भी शामिल हैं की गालियों की तो बात ही क्या। बहुत ही गलत विषय पर मोदी जी चले गए। राहुल की यात्रा का यह पेनिक रिएक्शन था। जापान और चीन की यात्रा से उन्होंने सोचा था कि देश में माहौल बन जाएगा। वैसे फोटो और खबरें गोदी मीडिया में चलाए भी गए। मगर इस बार वास्तविक सवालों को हेडलाइन मैनेजमेंट दबा नहीं पाया। सच्चाई पर कहानियां हावी नहीं हो पाईं। आज सब देख रहे हैं कि चीन की सैन्य परेड में भी पाकिस्तान के आर्मी चीफ मुनीर स्पेशल गेस्ट हैं। वहां अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप उन्हें लंच पर बुलाते हैं। यह भारत को नीचा दिखाना नहीं है। भारत एक बड़ा और मजबूत देश है उसे इन छोटी मोटी हरकतों से फर्क नहीं पड़ता है। यह खुद को विश्वगुरू बताने वाले मोदी जी को आईना दिखाना है। अभी जापान और चीन की यात्रा के बाद भी वही कहानी कि हम ही हम हैं। दुनिया के सारे देशों के राष्ट्राध्यक्ष मोदी जी मोदी जी कर रहे थे। इस आत्मश्लाघा का इलाज क्या है! इलाज तो है भारत की छवि पेश करना। मगर यहां तो देश से ऊपर खुद को रखने का काम हो रहा है। भारत में पैदा होना और रहना शर्म की बात कह दी गई। और किसी ने नहीं खुद प्रधानमंत्री मोदी ने। और वह भी विदेश में। तो आप समझ सकते हैं कि जब प्रधानमंत्री खुद ऐसा बोलते हों कि यह भी कोई देश है महाराज तो उनकी पार्टी के बाकी लोग क्या बोलेंगे! उन्होंने देश को 2014 में आजाद करवाया। और ऐसे लोगो को ईनाम मिलता है।

अभिव्यक्ति पर कितनी पाबंदी लगेगी!

भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी पर कुछ तर्कसंगत पाबंदी लगाने का प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 19 (2) में इसे व्याख्यायित किया गया है। सरकारें अलग अलग समय पर अपने हिसाब से इसकी व्याख्या करती रही हैं और बोलने या किसी भी रूप में अपने को अभिव्यक्त करने की आजादी को नियंत्रित करने का प्रयास करती रही हैं। हर बार सरकारें जब ऐसा प्रयास करती हैं तो उसके खिलाफ आवाज उठाई जाती है लेकिन अंततः सरकारें कामयाब होती हैं। तभी धीरे धीरे वाक और अभिव्यक्ति की आजादी पर कई किस्म की पाबंदियां लग गई हैं। नए जमाने में यानी डिजिटल तकनीक के जमाने में जब लोगों को अभिव्यक्ति के नए प्लेटफॉर्म मिल गए हैं तब से पाबंदी की जरुरत ज्यादा महसूस की जा रही है और लगाई भी जा रही है। अब कुछ और नई पाबंदियों की आहट सुनाई दे रही है। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से कहा है कि वह डिजिटल मंचों पर होने वाली अभिव्यक्तियों को नियंत्रित करने के कानून बनाए। यह मामला एक खास किस्म की बीमारी से ग्रसित एक व्यक्ति का मजाक उड़ाने से जुड़ा हुआ है। कॉमेडी के नाम पर किसी व्यक्ति की शारीरिक कमतरी का मजाक उड़ाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में कॉमेडी का यह रूप सहज स्वीकार्य होता है। स्त्रियों का, कम लंबाई वाले या मोटे लोगों का या शारीरिक कमतरी का मजाक उड़ाना स्टैंडअप कॉमिक में शामिल है। ऐसे ही एक मामले की सुनवाई करते हुए 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सरकार से कहा कि वह नेशनल ब्रॉडकास्टर एंड डिजिटल एसोसिशएन यानी एनबीडीए से सलाह मशविरा करके सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करे। असल में एक शारीरिक स्थिति होती है, जिसे स्पाइनल मस्क्यूलर एट्रोफी यानी एसएमए बोलते हैं, जो एक आनुवंशिक डिसऑर्डर है। एक गैर सरकारी संस्था ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी कि कई स्टैंडअप कॉमेडियन्स ने इस बीमारी से ग्रसित लोगों का मजाक बनाया है। इसमें समय रैना, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर का नाम

लिया गया था। सुनवाई के दौरान सभी पक्षों ने इसकी आलोचना की। लेकिन असली परेशान करने वाली बात यह है कि जस्टिस बागची ने 'कॉमर्शियल स्पीच' का एक जुमला बोला और कहा कि जब आप अभिव्यक्ति की आजादी का व्यावसायीकरण करते हैं तो आपको ध्यान रखना चाहिए कि आपकी बात समाज के किसी हिस्से की भावना को आहत न करे। सरकार की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने इस पर तत्काल कहा कि सरकार इसे नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करेगी। इस पर अदालत ने कहा कि जो भी दिशानिर्देश बनाया जाए वह सिर्फ किसी विशिष्ठ घटनाक्रम से पैदा हुए सवालों को ही एड्रेस न करे, बल्कि नई तकनीक और अभिव्यक्ति के नए उभरते मंचों की वजह से जो स्थितियां पैदा हो रही हैं उनको ध्यान में रखने वाली हों। जाहिर है अदालत चाहती है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट को नियंत्रित करने के लिए एक समग्र दिशानिर्देश जारी हो। सर्वोच्च अदालत का यह आदेश सरकार के हाथ में एक नया हथियार दे सकता है। ध्यान रहे भारत के संविधान में अनुच्छेद 19 (2) के जरिए नियंत्रण के जो उपाय बताएं हैं उसके अलावा आईटी एक्ट 2000 के आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स 2021 के जरिए भी सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के उपाय किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स किसी तरह से सामाजिक विद्वेष फैलाने वाला या अश्लील कंटेंट प्रसारित नहीं होने देंगे। अगर इस कानून को कायदे से लागू किया जाए तो किसी अतिरिक्त कानून की जरुरत नहीं पड़ेगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने जितनी खुशी खुशी दिशानिर्देश बनाने की सहमति दी उससे लग रहा है कि सोशल मीडिया को नियंत्रित करने का कोई और कानून भी आ सकता है। सर्वोच्च अदालत के आदेश में एक और बात विरोधाभासी दिखती है, जो 'कॉमर्शियल स्पीच' से जुड़ी है। अगर किसी स्टैंडअप कॉमेडियन के एक्ट को इस आधार पर 'कॉमर्शियल स्पीच' माना जाएगा कि वह उससे पैसे कमा रहा है तो फिर किसी पत्रकार या किसी अभिनेता या किसी लेखक को कैसे इससे बाहर रखा जा सकेगा? ध्यान रहे पत्रकार और लेखक भी अपने लेखन से पैसा कमाते हैं और अभिनेता पैसे के लिए ही फिल्मों या टेलीविजन में काम करते हैं। निर्माता, निर्देशक पैसे कमाने के लिए ही फिल्में बनाते हैं। अगर 'कॉमर्शियल स्पीच' का दायरा बढ़ा तो वाक और अभिव्यक्ति का हर स्वरूप और हर प्लेटफॉर्म इसके दायरे में आ जाएगा। यह सिर्फ सोशल मीडिया तक नहीं रूकेगा, बल्कि अखबार, पत्रिकाएं, फिल्म, टेलीविजन सब इसके दायरे में आएंगे। यहां तक कि नेता के भाषण को भी इसके दायरे में लाया जा सकता है क्योंकि उसका भी अंतिम लक्ष्य लाभ का पद हासिल करना होता है। यह विरोधाभासी इसलिए है क्योंकि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के अपने फैसले अलग अलग रहे हैं। हमदर्द दवाखाना बनाम भारत सरकार मामले में 1959 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि विज्ञापन भी एक किस्म की अभिव्यक्ति का माध्यम है लेकिन जब इसमें व्यापार का पहलू शामिल हो जाता है तो यह विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के दायरे में नहीं आता है। हालांकि बाद में टाटा प्रेस बनाम महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के केस में 1995 में माना कि कॉमर्शियल स्पीच को सिर्फ इस आधार पर अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे से बाहर नहीं किया जा सकता है कि कोई लाभ कमाने वाली कंपनी इसे जारी कर रही है। बाद में एक और मामले में अदालत ने विज्ञापनों में सामाजिक सद्भाव और हितों का ध्यान रखने की सलाह दी थी। परंतु ऐसा लग रहा है कि इस मामले में स्थिति बहुत स्पष्ट नहीं है। अगर इस पर समग्रता से विचार नहीं किया गया तो सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आधार बना कर ऐसे दिशानिर्देश जारी कर सकती है, जिसके दम पर किसी भी स्पीच को कॉमर्शियल बताया जा सकता है, उस पर रोक लगाई जा सकती है और उससे जुड़े लोगों को सजा दी जा सकती है। इसलिए इस मामले में स्पष्टता की जरुरत है। साथ ही यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि भारत में पहले से बहुत सारे कानून हैं। नए कानून की बजाय पुराने कानूनों, नियमों और दिशानिर्देशों को प्रभावी तरीके से लागू करने के उपाय करने चाहिए।

-अजीत द्विवेदी

कांग्रेस ने साइकिल पर भी टैक्स लिए... हमने अपना वादा पूरा किया, GST में बदलाव पर क्या बोले पीएम मोदी

एजेंसी नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने जीएसटी दरों में कटौती के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने जीएसटी में इस सुधार को देश के विकास के लिए जरूरी बताया है। जीएसटी में कटौती को लेकर पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिए गए भाषण का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने जीएसटी के पहले से सरल होने की बात कही। इसमें उन्होंने राज्यों के सहयोग का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू हो जाएंगी। पीएम मोदी ने कांग्रेस की पहले की सरकारों पर टैक्स वसूलने को लेकर भी निशाना साधा। पीएम ने कांग्रेस सरकारों पर साइकिल, टॉफी और सीमेंट पर टैक्स लगाने का जिक्र किया। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के संबोधित करते हुए जीएसटी सुधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि समय पर बदलाव के बिना, हम अपने देश को आज की वैश्विक स्थिति में उसका उचित स्थान नहीं दिला सकते। उन्होंने कहा कि मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार करना बेहद जरूरी है। पीएम ने कहा कि मैंने देशवासियों से यह वादा भी किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों की दोहरी बौछार होगी। आज मैं देशवासियों से फिर कहूंगा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रिफॉर्म्स का ये सिलसिला रुकने वाला नहीं है। भारत के लिए आत्मनिर्भरता... ये कोई नारा नहीं है, इस दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। हमारी सरकार का मकसद है कि आम लोगों के जीवन में बचत ज्यादा से ज्यादा कैसे हो, लोगों का जीवन बेहतर बने। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, मैंने देशवासियों से भी ये वादा किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों का डबल धमाका होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कल (3 सितंबर को) भारत सरकार ने राज्य के साथ मिलकर के बहुत बड़ा निर्णय किया है। अब जीएसटी और भी ज्यादा सरल हो गया है। उन्होंने कहा किक जीएसटी के मुख्यतः दो ही रेट रह गए हैं... 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। पीएम मोदी ने कहा कि 22 सितंबर... सोमवार यानि नवरात्र के पहले दिन से GST की नई दरें लागू हो जाएंगी। पीएम मोदी ने इस मौके पर पहले की कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधा। पहले की सरकारों में सामानों पर कितनी बड़ी मात्रा टैक्स लिया जाता था। उन्होंने कहा कि 2014 में मेरे आने से पहले रसोई का सामान हो, खेती किसानी से जुड़े सामान हो या फिर दवाइयां हो, यहां तक जीवन बीमा पर भी... ऐसी अनेक चीजों पर कांग्रेस सरकार अलग अलग टैक्स लेती थी। कांग्रेस सरकार टूथपेस्ट, साबुन, हेयर ऑयल पर 27 प्रतिशत टैक्स लेती थी। पीएम ने कहा, हालत यह थी कि कांग्रेस वाले बच्चों की टॉफी पर भी 21 प्रतिशत टैक्स लेते थे। करोड़ो लोगों की जरूरत साइकिल पर भी 17 प्रतिशत टैक्स लेते थे। लाखों महिलाओं, माताओं बहनों के स्वाभिमान का प्रतीक सिलाई मशीन पर भी कांग्रेस की सरकार 16 प्रतिशत टैक्स लगता था। उन्होंने कहा कि अगर वही दौर होता तो आज आपको 100 रुपए की कोई चीज खरीदते तो आपको 20-25 रुपए टैक्स देना होता। लेकिन हमारी सरकार का मकसद है कि आम लोगों के जीवन में बचत ज्यादा से ज्यादा कैसे हो, लोगों का जीवन बेहतर बने।

यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए भारत पर टैरिफ जरूरी... अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से बोला ट्रंप प्रशासन

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने अदालती दस्तावेजों में चेतावनी दी है कि भारत समेत अन्य देशों पर टैरिफ कम करने से अमेरिका को व्यापारिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के टैरिफ को गैरकानूनी बताने के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील में टैरिफ को जरूरी बताया है और कहा कि इसे कम करने से विदेशों में शांति स्थापित करने के प्रयासों को झटका लगेगा। इंडिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि सॉलिसिटर जनरल जॉन सॉर ने सुप्रीम कोर्ट से टैरिफ को बरकरार रखने का आग्रह किया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील में कहा गया है कि इस मामले में दांव इससे ज्यादा नहीं हो सकता है। टैरिफ को यूक्रेन के लिए प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पहलू और आर्थिक तबाही के खिलाफ एक ढाल बताया गया है। अदालती दस्तावेज में ट्रंप प्रशासन ने लिखा, 'हमने हाल ही में यूक्रेन में रूस के युद्ध से जुड़े पहले से मौजूद राष्ट्रीय आपातकाल से निपटने के लिए रूसी ऊर्जा उत्पादों की खरीद के लिए भारत के खिलाफ टैरिफ को अधिकृत किया है।' इसमें कहा गया कि टैरिफ को हटाने से अमेरिका 'आर्थिक तबाही के कगार पर पहुंच जाएगा।' ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में भारत के ऊपर 50 प्रतिशत टैरिफ को लागू किया था। इसमें 25 प्रतिशत टैरिफ व्यापार घाटे का हवाला देते हुए लगाया गया है, जबकि 25% अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया है। यह किसी भी एशियाई देश पर ट्रंप प्रशासन का वर्तमान में सबसे ज्यादा टैरिफ है। पिछले महीने के आखिर में अमेरिकी संघीय सर्किट अपील कोर्ट ने टैरिफ के खिलाफ 7-4 के बहुमत से फैसला सुनाया था। इसमें कहा गया था कि ट्रंप ने व्यापक शुल्क लगाने के लिए आपातकालीन आर्थिक शक्तियों का प्रयोग करके अपने अधिकार का अतिक्रमण किया है। प्रशासन ने फैसले के विरोध में कहा है कि ये उपाय शांति और अभूतपूर्व आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दे रहे हैं और साथ ही देशों को वॉशिंगटन के साथ नए व्यापार ढांचों की ओर बढ़ा रहे हैं।

पृथ्वी बाल-बाल बची! धरती के करीब से 45,000 किमी/घंटा की रफ्तार से सनसनाता निकला ऐस्टरॉइड, चंद्रमा से भी थी कम दूरी

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने बयान में कहा है कि एक विशालकाय ऐस्टरॉइड की चपेट में आने से हमारी धरती बाल बाल बची है। नासा की हालिया खोज के मुताबिक, 2025 QD8 नाम का ऐस्टरॉइड, बुधवार यानी 3 सितंबर को धरती के काफी करीब से गुजरा रहा है। वैज्ञानिकों ने इस दुर्लभ नजारे को देखने की बात कही है। नासा ने कहा है कि ये ऐस्टरॉइड चंद्रमा से भी करीब से गुजरा रहा है। हालांकि इस वजह से धरती पर कोई खतरा महसूस नहीं किया गया है। नासा ने कहा है कि यह ऐस्टरॉइड पृथ्वी से करीब 135,500 मील यानि 218,000 किलोमीटर की दूरी से गुजरा हो। ये ऐस्टरॉइड करीब 22 मीटर चौड़ा था, जिसकी रफ्तार करीब 45,000 किलोमीटर प्रति घंटे दर्ज की गई है। ये ऐस्टरॉइड तीन सितंबर की सुबह 11 बजे (ET) के आसपास धरती के पास से गुजरा है है। नासा ने अब पुष्टि कर दी है कि यह पिंड किसी तरह का खतरा नहीं था, लेकिन इसकी नजदीकी ने वैज्ञानिकों को अध्ययन का बेहतरीन अवसर दिया। ऐस्टरॉइड 2025 QD8 को पृथ्वी के "नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट" की श्रेणी में रखा गया है, यानी वह अंतरिक्ष पिंड जो धरती की कक्षा के बेहद करीब आता है। नासा के स्मॉल-बॉडी डेटाबेस के मुताबिक 140 मीटर से छोटे ऐस्टरॉइड शायद ही कभी धरती के लिए वैश्विक स्तर पर खतरा बनते हैं। फिर भी इनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखना वैज्ञानिकों की प्राथमिकता है। यही वजह है कि नासा के सेंटर फॉर नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट स्टडीज और प्लानेटरी डिफेंस कोऑर्डिनेशन ऑफिस लगातार ऐसे ऑब्जक्ट को मॉनिटर करते रहते हैं, और भविष्य में किसी संभावित ख़तरे की भविष्यवाणी करते हैं। नासा ने इस दुर्लभ दृश्य को यूट्यूब पर लाइव-स्ट्रीम भी किया गया था, जिससे दुनिया भर के लोग अपने घर बैठे इस खगोलीय नजारे के गवाह बने। क्रिकेट से संन्यास लेते ही फूट गया अमित मिश्रा का गुस्सा, इन दो कारणों से टीम इंडिया में नहीं मिला ज्यादा मौका आपको बता दें कि इससे पहले हाल ही में एक और छोटा ऐस्टरॉइड 2025 QV5, जो करीब 11 मीटर का था, वो भी धरती से करीब 8 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरा था। ऐसे छोटे-छोटे ऑब्जेक्ट्स के अध्ययन से वैज्ञानिक धरती की सुरक्षा प्रणाली और ऑर्बिटल भविष्यवाणियों को और बेहतर बनाते हैं। अब नासा का कहना है कि आने वाले 100 सालों तक कोई भी ज्ञात ऐस्टरॉइड धरती से टकराने का गंभीर खतरा नहीं है। फिर भी नासा की टीम लगातार ऐस्टरॉइड पर नजर रखेगी।

भारत, अमेरिका या जापान... चीनी सैन्य परेड के हथियारों से QUAD के किस देश को ज्यादा खतरा

एजेंसी बीजिंग

चीन ने 3 सितंबर को बीजिंग में एक भव्य विक्ट्री डे परेज का आयोजन किया। इस दौरान चीन ने दुनिया को अपनी सैन्य शक्ति प्रदर्शित की। चीन ने दर्जनों हथियारों को पहली बार प्रदर्शित किया, जो अमेरिका समेत किसी भी महाशक्ति के लिए अभी तक एक सपना है। चीनी परेड में मुख्य रूप से क्रूज मिसाइलों और हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल की एक बड़ी श्रृंखला प्रस्तुत की गई। वहीं, कई ऐसी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का भी प्रदर्शन किया गया, जो दुनिया के किसी भी एयर डिफेंस सिस्टम को मात देने में सक्षम हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या चीनी सैन्य परेड क्वाड के सदस्य देशों भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान को परेशान कर सकती है। चीन ने मुख्य रूप से यिंगजी (ईगल स्ट्राइक) फैमिली के YJ-15, YJ-17, YJ-19 और YJ-20 एंटी शिप मिसाइलों को दिखाया, जो किसी भी देश की नौसेना को पलक झपकते मिट्टी में मिला सकते हैं। इसके अलावा चीन ने YJ-21 का भी प्रदर्शन किया, जिसे कैरियर किलर के रूप में जाना जाता है। इस मिसाइल को खासकर अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियरों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इनके अलावा DF-61, DF-31BJ, DF-26D, DF-17, DF-5C, JL-3 और JL-1 मिसाइलों को खास तौर पर दुनिया को दिखाया गया। चीन ने डोंगफेंग-17 (DF-17) हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल को भी प्रदर्शित किया। डोंगफेंग-61 (DF-61), एक मोबाइल अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है। चीन ने इस परेड में पहली बार DF-61 मिसाइल को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। DF-61 की ऑपरेशनल रेंज 12,000 से 15,000 किलोमीटर तक है, जो चीन को वैश्विक पहुंच प्रदान करता है। माना जाता है कि DF-61 मिसाइल 10 MIRV तक ले जाने में सक्षम है। साइलो-आधारित DF-5C की तरह, DF-61 भी एक तरल-ईंधन वाली मिसाइल है, जो लंबी दूरी तक सटीक मार कर सकती है। इस मिसाइल को 16 पहियों वाले ट्रांसपोर्टर-इरेक्टर-लॉन्चर (TEL) पर स्थापित करके प्रदर्शित किया गया, जो सड़क पर गतिशीलता और दुश्मन के हमले से बचने की क्षमता को प्रदर्शित करता है। चीन ने परेड में मुख्य रूप से अमेरिकी सैन्य शक्ति का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किए गए हथियारों को प्रदर्शित किया। ये हथियार न सिर्फ अमेरिकी सुरक्षा को चकमा दे सकते हैं, बल्कि प्रशांत क्षेत्र में उसके सैन्य अड्डों को भी नष्ट कर सकते हैं। DF-5C जैसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल को खास तौर पर अमेरिका की मुख्य भूमि पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह चीन की सेकेंड स्ट्राइक क्षमता को प्रदर्शित करता है। विश्लेषकों ने इसे अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए डेटरेंस के लिए खास तौर पर विकसित किया हुआ बताया है। उनका मानना है कि परेड में दिखाए गए सभी हथियार पूर्वी एशिया पर चीन के प्रभुत्व के इरादे का संकेत देते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परेड को "बहुत प्रभावशाली" बताया, लेकिन उन्होंने चीन, रूस और उत्तर कोरिया पर अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। चीनी परेड में दिखाए गए हथियार भारत की चिंता भी बढ़ा सकते हैं। चीन के अधिकतर हथियार भारत में किसी भी जगह को निशाना बना सकते हैं। इतना ही नहीं, इनमें से कई हथियार भारत के एयर डिफेंस सिस्टम के सामने भी मुश्किलें पैदा कर सकते हैं। चीन की सैन्य ताकत इतनी ज्यादा है कि वह शंघाई या बीजिंग से भी भारत के किसी भी क्षेत्र को निशाना बना सकता है। इसके लिए चीन को अपने नौसैनिक बेड़े को हिंद महासागर में भारत के करीब भी भेजने की जरूरत नहीं होगी। दूसरी ओर चीन के पास संख्या बल के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना भी है, जो हिंद महासागर में भारत को परेशान करने में सक्षम है। चीन की हाइपरसोनिक मिसाइलें और ड्रोन उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में भी तेज और सटीक हमला करने में सक्षम हो सकते हैं।

यूक्रेन युद्ध खत्म करने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका... EU चीफ ने मोदी को घुमाया फोन

एजेंसी ब्रसेल्स

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने बातचीत के बाद कहा कि यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। वॉन डेर लेयेन ने वैश्विक मुद्दों के संयुक्त समाधान में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को भी रेखांकित किया। पीएम मोदी ने भी बातचीत के दौरान यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। भारत लंबे समय से रूस-यूक्रेन में शांति की वकालत करता रहा है। पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अपनी हर मुलाकात में यूक्रेन में शांति की संभावनाओं पर चर्चा की है। वॉन डेर लेयेन ने X पर एक पोस्ट में कहा, "हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके खुशी हुई। हम राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ भारत के निरंतर सहयोग का हार्दिक स्वागत करते हैं।" टेलीफोन पर हुई बातचीत की जानकारी देते हुए, उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने जोर देकर कहा कि "रूस को उसके आक्रामक युद्ध को समाप्त करने और शांति की दिशा में एक रास्ता बनाने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।" भारत के साथ संबंध मजबूत कर रहा EU उन्होंने इस संघर्ष को एक वैश्विक चिंता बताया और पोस्ट में आगे कहा, "इस युद्ध के वैश्विक सुरक्षा पर परिणाम होंगे और यह आर्थिक स्थिरता को कमजोर करेगा। इसलिए यह पूरी दुनिया के लिए एक जोखिम है।" यूरोपीय संघ-भारत संबंधों के भविष्य पर विचार करते हुए, यूरोपीय संघ प्रमुख ने कहा कि दोनों पक्ष 2026 में यथाशीघ्र, अगले यूरोपीय संघ-भारत शिखर सम्मेलन में एक संयुक्त रणनीतिक एजेंडे पर सहमत होने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने "वर्ष के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अभी प्रगति की आवश्यकता है।

जमीन पर 'स्वेज नहर' बनाएगा चीन, यूरोप को एशिया से करेगा कनेक्ट, समुद्री परिवहन की होगी छुट्टी

एजेंसी बीजिंग

चीन सैन्य और आर्थिक महाशक्ति बनने के बाद अब जमीन पर आधारित 'स्वेज नहर' बनाने जा रहा है। यह प्रोजेक्ट यूरोप को एशिया से जोड़ने का काम करेगा। बड़ी बात यह है कि इसका फायदा सबसे ज्यादा पूर्वी एशिया को होगा, जो चीन के बाद विनिर्माण उद्योग में तेजी से प्रगति कर रहा है। चीन ने इसके लिए अपने पहाड़ी शहर चोंगकिंग को चुना है। यह शहर पहले ही स्थलीय व्यापार मार्ग का केंद्र बन चुका है। यह शहर रेल लाइनों से अच्छी तरह कनेक्टेड है और यहां से पहले से ही यूरोप में मालगाड़ियों का संचालन हो रहा है। चीन को आशा है कि यग शहर एशिया का सबसे महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक हब बन सकता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, चोंगकिंग तेजी से चीन के ट्रेड नेटवर्क में एक रणनीतिक केंद्र के रूप में उभरा है। चीन को उम्मीद है कि अगर उसका यह मॉडल सफल होता है तो देश के पश्चिमी हिस्से में भी इसी तरह की परियोजना पर काम किया जा सकता है। इस शहर से हर दिन सैकड़ों शिपमेंट का ट्रांसपोर्ट होता है, जो वियतनाम और सिंगापुर जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों को हाई स्पीड मालगाड़ियों के जरिए जर्मनी और पोलैंड समेत बाकी यूरोप से जोड़ता है। जमीन के जरिए ट्रांसपोर्ट में समुद्री मार्ग की तुलना में 10-20 दिन का समय बचता है। इसके अलावा सीमा शुल्क के मुद्दों को भी काफी हद तक सरल बनाता है। 2023 में आसियान बुलेट ट्रेन के शुरू होने से हनोई और चोंगकिंग के बीच शिपिंग का समय घटकर केवल पांच दिन रह गया है, जिससे माल दो हफ्ते से भी कम समय में यूरोप पहुंच जाएगा। वहीं, समुद्री मार्ग से इसे यूरोप पहुंचाने में कम से कम तीन हफ्तों का समय लगता है। चीनी शहर चोंगकिंग एक रणनीतिक स्थान पर स्थित है। इसके अलावा यह शहर एक प्रमुख उत्पादन केंद्र भी है। दुनिया के लगभग एक-तिहाई लैपटॉप का निर्माण चोंगकिंग में ही होता है। यह शहर इलेक्ट्रिक कारों के उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र भी है। इसके अलावा इस शहर के चीन के एक चौथाई चारों का निर्यात यहीं से होता है। जानकारों का मानना है कि चीन न सिर्फ भू-राजनीति के लिए बल्कि अपने सैन्य उद्देश्यों को पूरा करने के लिए चोंगकिंग को चुना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका के साथ चीन का व्यापार युद्ध जारी है। ऐसे में अमेरिका ने स्वेज नहर, होर्मुज और मलक्का जलडमरूमध्य पर निगरानी को बढ़ाया है। अगर भविष्य में अमेरिका इन समुद्री परिवहन गलियारों को चोक करता है तो चीन इस गलियारे के जरिए अपने आयात-निर्यात को बरकरार रख सकता है।

गौतम गंभीर का भरोसेमंद ओपनर दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में फेल, 3 गेंद में हो गए एक्सपोज

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल घरेलू क्रिकेट में दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में बुरी तरह से फेल हो गए। यशस्वी जायसवाल वेस्ट जोन के लिए मैदान पर उतरे थे, लेकिन सेमीफाइनल जैसे मैच में वह सिर्फ 3 खेलकर आउट हो गए। वेस्ट जोन के लिए यशस्वी अपनी पारी में सिर्फ 4 रन ही बना पाए। यशस्वी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। सेमीफाइनल मुकाबले से पहले यशस्वी को लेकर हाइप था कि वेस्ट जोन के लिए वह अपना शानदार फॉर्म जारी रखेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। यशस्वी इंग्लैंड दौरे के बाद पहली बार किसी प्रतियोगी मैच में मैदान पर उतरे थे, लेकिन अब इस नॉकआउट मैच में यशस्वी के पास दूसरी पारी में मौका है कि वह अपनी टीम के लिए कुछ कमाल करेंगे। यशस्वी जायसवाल ने अपने शानदार प्रदर्शन से पिछले कुछ समय में भारतीय टेस्ट टीम में मजबूत स्थिति बना ली है। खास तौर से टेस्ट में तो उन्होंने अपनी जगह पक्की कर ली है। यशस्वी ने जब से टीम इंडिया के लिए टेस्ट टीम में डेब्यू किया है उन्होंने दमदार खेल दिखाया है। उनका पिछला इंग्लैंड दौरा भी बेहतरीन रहा था और उन्होंने सीरीज के पहले मैच में ही शतकीय पारी खेली थी। हालांकि, पहले मैच में शतक लगाने के बाद उनका फॉर्म थोड़ा डगमगया जरूर था, लेकिन यशस्वी ने उसके बाद दमदार वापसी करते हुए टीम इंडिया के लिए अंतिम मैच में दमदार खेल का प्रदर्शन किया। इंग्लैंड दौरे पर यशस्वी के खेल की बात करें तो उन्होंने 5 मैचों में 411 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं भारत और इंग्लैंड के बीच इस पूरे सीरीज की बात करें तो दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा था।

एशिया कप में नहीं मिली थी जगह तो खूब हुआ था बवाल, अब दलीप ट्रॉफी में आते हुए फेल

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप 2025 के लिए जब भारतीय टीम का चयन हुआ तो कुछ खिलाड़ियों को लेकर खूब चर्चा हुई। क्योंकि उन खिलाड़ियों के भारतीय टीम में चुने जाने की संभावना बहुत ही प्रबल थी। इस लिस्ट में श्रेयस अय्यर का भी नाम शामिल था, लेकिन वह एशिया कप की टीम में नहीं चुने गए। इन चर्चाओं के बीच श्रेयस अय्यर दलीप ट्रॉफी में वेस्ट जोन के लिए सेमीफाइनल मुकाबले में मैदान पर उतरे। उम्मीद थी कि टीम इंडिया में नहीं चुने जाने पर वह अपना गुस्सा घरेलू क्रिकेट के इस मुकाबले में उतारेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। श्रेयस अय्यर दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में वेस्ट जोन के लिए सिर्फ 28 रन बनाकर आउट हो गए। अपनी इस पारी में उन्होंने 28 गेंद का सामना किया, जिसमें 4 चौके भी लगाए। श्रेयस अय्यर को सेंट्रल जोन के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने बोल्ड किया। इस तरह अय्यर दलीप ट्रॉफी के नॉक आउट मुकाबले में वेस्ट

जोन के लिए पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए। दलीप ट्रॉफी के इस सेमीफाइनल मुकाबले में वेस्ट जोन की टॉप ऑर्डर बल्लेबाजी बुरी तरह से फ्लॉप रही। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में रुतुराज गायकवाड़ ने कमाल की बैटिंग करते हुए पारी को संभालने का काम किया। गायकवाड़ ने पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 184 रन बनाए। इसके अलावा तनुष कोटियान ने भी उनका बेहतरीन साथ निभाया। तनुष कोटियान ने दिन की समाप्ति तक 65 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि कप्तान शार्दुल ठाकुर 24 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। इस तरह वेस्ट जोन ने सेमीफाइनल मैच के पहले दिन 87 ओवर के खेल में 6 विकेट के नुकसान पर 363 रन बना लिए। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सेंट्रल जोन के लिए खलील अहमद और सारांश जैन ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा दीपक चाहर और हर्ष दुबे ने एक-एक विकेट लिए।

CSK के कप्तान का जलवा, अकेले बने बाहुबली, गिरते विकेटों के बीच रुतुराज गायकवाड़ का धमाकेदार शतक

एजेंसी नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में वेस्ट जोन के लिए एक लाजवाब शतक जड़ा है। लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे गायकवाड़ की यह पारी उनकी वापसी की उम्मीदों को और मजबूत कर सकती है। वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच खेले जा रहे इस दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में गायकवाड़ ने अकेले ही अपनी टीम की पारी को संभाल रखा है और एक छोर पर मजबूती से खड़े हैं। गायकवाड़ ने अपनी शानदार पारी में सिर्फ 131 गेंदों में शतक पूरा किया। उन्होंने उस समय बल्लेबाजी करने के लिए क्रीज पर कदम रखा, जब वेस्ट जोन ने महज 10 रनों के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद भी दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे, लेकिन गायकवाड़ ने धैर्य के साथ अपनी पारी को आगे बढ़ाया। उनकी यह पारी इसलिए भी खास है क्योंकि टीम के किसी भी अन्य खिलाड़ी ने 40 रन का आंकड़ा भी नहीं छुआ। अकेले गायकवाड़ ने 150 से अधिक रनों की पारी खेलकर टीम को मुश्किल से बाहर निकाला। गायकवाड़ का यह प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब भारतीय टीम में टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों के लिए प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी है। उनका यह शतक सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह चयनकर्ताओं को एक कड़ा संदेश भी है कि वह अब भी भारत के लिए खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। दलीप ट्रॉफी जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में दबाव भरे हालात में खेली गई यह पारी यह साबित करती है कि गायकवाड़ में न सिर्फ प्रतिभा है, बल्कि बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिक ताकत भी है। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी संभालने के बाद गायकवाड़ ने एक लीडर के रूप में भी अपनी क्षमता दिखाई है। दलीप ट्रॉफी में उनका यह शानदार प्रदर्शन उनकी फॉर्म और आत्मविश्वास को दर्शाता है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह शतक उन्हें भारतीय टीम में वापसी का मौका दिला पाएगा। फिलहाल, गायकवाड़ ने अपनी दमदार बल्लेबाजी से यह साबित कर दिया है कि वह टीम इंडिया में अपनी जगह के हकदार हैं।

विराट कोहली, एमएस धोनी और रोहित शर्मा को देखना अब पड़ेगा महंगा, GST रिफॉर्म से कटेगी क्रिकेट फैंस की जेब

एजेंसी नई दिल्ली

देश भर के क्रिकेट फैंस को अगले सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग के टिकटों के लिए अधिक पैसे खर्च करने होंगे, क्योंकि सरकार ने इन मैचों में प्रवेश पर गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) को 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया है। बुधवार देर रात जारी वित्त मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, 'कैसीनो, रेस क्लब, कैसीनो या रेस क्लब वाली किसी भी जगह या आईपीएल जैसी खेल प्रतियोगिताओं में प्रवेश पर आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) के साथ 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।' पिछले सीजन तक जीएसटी से पहले पांच सौ रुपये के आधार मूल्य वाले आईपीएल टिकट की कीमत 28 प्रतिशत जीएसटी के साथ 640 रुपये होती थी। हालांकि 2026 सत्र के दौरान सरकार द्वारा 40 प्रतिशत जीएसटी लगाने के बाद अब यही टिकट 700 रुपये का हो जाएगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि आईपीएल टिकटों को विलासिता की वस्तुओं की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। हालांकि भारत

के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को अन्य खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और 500 रुपये से अधिक मूल्य के टिकटों पर 18 प्रतिशत का कम जीएसटी लगेगा। पांच सौ रुपये से कम मूल्य के किसी भी टिकट को जीएसटी से छूट दी जाएगी। ऐसे में भारतीय क्रिकेट टीम के होने वाले मुकाबले में फैंस को राहत जरूर मिली है। नियम में कहा गया है, 'मान्यता प्राप्त खेल प्रतियोगिताओं सहित अन्य खेल प्रतियोगिताओं में प्रवेश पर छूट जारी रहेगी जहां की टिकट की कीमत पांच सौ रुपये से अधिक नहीं है। और अगर टिकट की कीमत 500 रुपये से अधिक है तो उस पर 18 प्रतिशत की मानक दर से कर लगता रहेगा।' जहां तक आईपीएल का सवाल है तो टिकटों की कीमतों पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का नियंत्रण नहीं है और हर फ्रेंचाइजी अपने-अपने घरेलू मैदानों पर कीमतें तय करती हैं।

व्यापार

GST का 'डेट-लाइन' ड्रामा... 22 सितंबर से नए रेट, क्या पुराने सामान पर भी मिलेगी छूट

एजेंसी नई दिल्ली

देश के लिए बुधवार का दिन बेहद अहम था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की मीटिंग के बाद कुछ बड़े ऐलान किए। जीएसटी के 4 स्लैब खत्म करके 2 स्लैब वाली नई व्यवस्था लागू करने की दिशा में बढ़ने की घोषणा की। फैसलों के अनुसार, जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर 2025 से लागू होंगी। ऐसे में कई लोगों के मन में एक सवाल है। वे जानना चाहते हैं कि क्या उन्हें दुकानों में पहले से रखे सामान पर भी नए रेट के हिसाब से छूट मिलेगी? इसका जवाब यह है कि सरकार के फैसले का मतलब है कि दुकानों में पहले से रखे सामान पर भी नई दरें ही लागू होंगी। सरकार ने 12 और 28 फीसदी के स्लैब को खत्म कर दिया है। अब ज्यादातर चीजें 5 और 18 फीसदी के स्लैब में आएंगी। कुछ खास चीजों पर 40 फीसदी का स्पेशल स्लैब लगेगा। यह दुकानों में ओल्ड स्टॉक को हटाने के लिए 'सफाई' के काम को तेज कर सकता है। 22 सतिंबर से दुकानदारों को नए रेट के हिसाब से ही अपनी बलिगि करनी होगी। जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू हो जाएंगी। ये दरें

नवरात्र के पहले दिन से लागू होंगी। लोगों के मन में सवाल है कि क्या दुकानों में पहले से रखे सामान पर भी नई दरें लागू होंगी। इसका जवाब है, हां। सभी सामान पर 22 सितंबर से नई दरें लागू होंगी। इसका मतलब है कि दुकानों में जो सामान पहले से रखा है, उस पर भी 22 सितंबर से नई जीएसटी दरें लगेंगी। चाहे सामान पुराना हो या नया, सभी पर नई दरें लागू होंगी। गोदरेज अप्लायंसेज के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसीडेंट कमल नंदी ने बताया, '22 सितंबर से नई जीएसटी दरों के हिसाब से बिलिंग होंगी। दुकानदार या डीलर को होने वाले नुकसान की भरपाई शायद इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के जरिए की जा सकती है।' इसका मतलब है कि दुकानदारों को आईटीसी के जरिए कुछ राहत मिल सकती है। आईटीसी एक तरह का क्रेडिट होता है जो उन्हें टैक्स भरने में मदद करता है। जीएसटी सुधारों का उद्योग ने कयि स्वागत इंडस्ट्री ने जीएसटी सुधारों का स्वागत किया है। उनके मुताबिक, इससे अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी। सरकार चाहती है कि लोग ज्यादा सामान खरीदें। इसलिए टैक्स कम किए गए हैं। कंपनियां सरकार के इस कदम से खुश हैं। उनका कहना है कि वे जीएसटी की दरों में कमी का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाएंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी काउंसिल ने 56वीं बैठक में ये फैसले लिए। इस बार सरकार ने 12 और 28 फीसदी के स्लैब को खत्म कर दिया है। अब ज्यादातर चीजें 5 और 18 फीसदी के स्लैब में आएंगी। इससे कई चीजें सस्ती हो जाएंगी। लेकिन, कुछ चीजों पर 40 फीसदी का स्पेशल स्लैब भी लगाया गया है। ये उन चीजों पर लगेगा जो सिन और लग्जरी प्रोडक्ट्स हैं। सिन प्रोडक्ट्स का मतलब है वो चीजें जो सेहत के लिए अच्छी नहीं होतीं, जैसे सिगरेट।

मकान खरीदने या बनाने वालों को मिला दिवाली गिफ्ट, सीमेंट और स्टील में जीएसटी कटौती से बचेंगे खूब पैसे

एजेंसी नई दिल्ली

सरकार ने मकान खरीदने या बनाने वालों को दिवाली गिफ्ट दिया है। बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी काउंसिल ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने सीमेंट और स्टील पर लगने वाले जीएसटी को 28% से घटाकर 18% कर दिया है। मकान बनाने में सीमेंट और स्टील की लागत कुल मकान की करीब 40 फीसदी होती है। इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि जीएसटी में कटौती से मकान खरीदना सस्ता होगा और लोगों को फायदा मिलेगा। वहीं मकान सस्ते होने से रियल एस्टेट सेक्टर में भी बूम आ सकती है। नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी। मकान खरीदने वालों को जीएसटी घटने से सीधा फायदा होगा। जानकारों का कहना है कि कंस्ट्रक्शन का खर्च कम होगा, तो प्रॉपर्टी की कीमतें भी कम होंगी। इससे मकान खरीदना आसान हो जाएगा। जानकारों के मुताबिक कंस्ट्रक्शन का खर्च कम होने से डेवलपर्स अच्छे घर बना पाएंगे। खासकर त्योहारों के मौसम में जब लोगों की घर खरीदने की इच्छा बढ़ जाती है। साथ ही प्रोजेक्ट समय पर पूरे होंगे

और बिक्री भी बढ़ेगी। सरकार ने सीमेंट और स्टील पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। वहीं ग्रेनाइट और मार्बल जैसी चीजों पर भी जीएसटी कम हुआ है। जीएसटी काउंसिल ने मार्बल और ग्रेनाइट पर टैक्स 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है। जानकारों के मुताबिक सीमेंट, ग्रेनाइट और मार्बल जैसी चीजों पर टैक्स कम होने से कंस्ट्रक्शन का काम सस्ता होगा यानी मकान की कीमतें कम होंगी। इससे मकान खरीदारों को फायदा होगा। वहीं अगर कोई शख्स अपना खुद का मकान बनवा रहा है तो उसके भी काफी पैसे बचेंगे। एक अनुमान के मुताबिक 50 लाख के मकान पर अब करीब 2 से 3 लाख रुपये बचेंगे। सीमेंट, स्टील और बाकी चीजों पर कंस्ट्रक्शन की कुल लागत का लगभग 40 से 45% खर्च होता है। जीएसटी घटने से प्रोजेक्ट का खर्च कम होगा। डेवलपर्स ये फायदा मकान खरीदने वालों को दे सकते हैं, जिससे घर खरीदना आसान होगा और डिमांड बढ़ेगी। इससे त्योहारों के सीजन में और तेजी आएगी। सीमेंट, स्टील आदि में जीएसटी कटौती से रियल एस्टेट सेक्टर में भी बूम आएगी। क्रेडाई (Confederation of Real Estate Developers' Associations of India) के अध्यक्ष शेखर पटेल ने कहा कि यह एक अच्छा सुधार है। उन्होंने कहा कि सीमेंट पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% करना एक बहुत बड़ा कदम है। इससे रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन सेक्टर पर बहुत अच्छा असर पड़ेगा। पटेल ने कहा कि इस कटौती से कच्चे माल की कुल लागत कम करने में मदद मिलेगी। आखिर में, इससे घर खरीदारों को फायदा होगा और घर खरीदना आसान हो जाएगा।

पॉपकॉर्न, पराठा, पनीर... जीएसटी को लेकर सारी उलझन हुई दूर, खुले-बंद का चक्कर हो गया खत्म

एजेंसी नई दिल्ली

खुले पॉपकॉर्न पर कम जीएसटी, पैकेट वाले ज्यादा जीएसटी। रोटी पर अलग जीएसटी तो पराठे पर अलग। ऐसा ही कुछ पनीर के साथ था। दरअसल पॉपकॉर्न, पराठे और पनीर पर लगने वाले जीएसटी को लेकर पहले काफी उलझन रहती थी। सब्जी में पनीर पर अलग जीएसटी। किसी दूसरी चीज में पनीर तो उस पर अलग जीएसटी। लेकिन जीएसटी 2.0 के बाद अब सारी उलझन दूर हो गई है। जीएसटी काउंसिल की 3 सितंबर को हुई बैठक जीएसटी की नई दरें तय कर दी गई हैं। पहले जीएसटी की दरों को लेकर कई बार कंफ्यूजन होता था। कभी रोटी और पराठे पर अलग-अलग टैक्स लगता था, तो कभी खुले और पैक्ड पनीर पर अलग-अलग दरें होती थीं। यहां तक कि पॉपकॉर्न पर भी अलग-अलग रेट लगते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी। इससे खाने-पीने की चीजों पर टैक्स की दरें आसान हो जाएंगी। अब पॉपकॉर्न पर टैक्स की दर आसान हो गई है। नमकीन, मसालेदार या कैरेमल पॉपकॉर्न पर 5% टैक्स लगेगा। चाहे वो खुले में बिके या पैकेट में। पहले, खुले में बिकने वाले नमकीन या मसालेदार पॉपकॉर्न पर 5% टैक्स लगता था। वहीं, पैकेट वाले पॉपकॉर्न पर 12% टैक्स लगता था। कैरेमल पॉपकॉर्न पर 18% टैक्स लगता था। कैरेमल पॉपकॉर्न का मतलब है मीठे पॉनकॉर्न। पराठे को लेकर भी बहस खत्म हो गई है। पहले, फ्रोजन पराठों पर जीएसटी को लेकर विवाद था। एक मामले में, अपील अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग ने कहा था कि पैकेट वाले पराठे, जिन्हें गर्म करके खाना होता है, उन्हें रोटी या चपाती नहीं माना जा सकता। रोटी पर 5% जीएसटी लगता था, जबकि पराठों पर 18% टैक्स लगता था। इससे ग्राहकों को काफी फर्क पड़ता था। लेकिन अब ये मामला सुलझ गया है। नई दरों के अनुसार, सभी तरह की भारतीय ब्रेड, चाहे उन्हें किसी भी नाम से पुकारा जाए, उन्हें जीएसटी से छूट दी गई है। यानी इन पर कोई भी जीएसटी नहीं लगेगा।

भगवान श्रीराम की अनंत लीलाएँ एवं शिव-पार्वती संवाद

भगवान श्रीराम की अनंत दिव्य लीलाओं का वर्णन जितना किया जाए, उतना ही कम है। उन्हीं लीलाओं का पावन रसपान माता पार्वती को स्वयं महादेव करा रहे हैं। कैलास पर, गहन समाधि के बाद जब पार्वती जी ने भगवान श्रीराम के स्वरूप के विषय में प्रश्न किया, तब भोलेनाथ अत्यंत करुणा और प्रेम से समझाने लगे। वे माता के संदेहों का इस प्रकार निवारण कर रहे थे, जैसे सूर्य की स्वर्णिम किरणें अंधकार का क्षणभर में नाश कर देती हैं। माता पार्वती अब तक यह जान चुकी थीं कि निर्गुण और सगुण ब्रह्म में कोई भेद नहीं है। निर्गुण ब्रह्म वह है जो निराकार, निर्विकार और सर्वव्यापक है, जबकि सगुण ब्रह्म वही परम तत्व है जो अपने भक्तों की कृपा के लिए सगुण रूप धारण करता है। सामान्य मनुष्य के लिए इन दोनों में अंतर करना कठिन है, क्योंकि हमारी चर्मचक्षु सीमित हैं। जब तक जीव अज्ञान और माया के बंधन में जकड़ा है, तब तक वह सत्य को जान नहीं पाता और संसार में दुःख भोगता रहता है। यह स्थिति वैसी ही है जैसे स्वप्न में किसी व्यक्ति का सिर कट जाए और वह तब तक पीड़ा भोगे जब तक उसकी नींद न टूटे। वास्तव में सिर नहीं कटा, किंतु अज्ञानजनित भ्रांति ने उसे पीड़ा दी। उसी प्रकार जब तक जीव को ब्रह्म का सच्चा स्वरूप ज्ञात नहीं होता, वह माया-जाल में पीड़ित होता रहता है। श्रीराम ही परब्रह्म पार्वती जी का प्रश्न था कि यदि श्रीराम वही परब्रह्म हैं, जो कण-कण में व्याप्त हैं, तो फिर वे मानव की भाँति बोलते, चलते और भोजन करते कैसे हैं? इस गूढ़ प्रश्न का उत्तर भोलेनाथ ने रामचरितमानस की इन दिव्य चौपाइयों द्वारा दिया—

'बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना।
कर बिनु करम करइ बिधि नाना।।
आनन रहित सकल रस भोगी।
बिनु बानी बकता बड़ जोगी।।'

अर्थात—हे गिरिजा! वह परमात्मा बिना पैरों के चलता है, बिना कानों के सब सुनता है, बिना हाथों के अनगिनत कर्म करता है, बिना मुख के सब रसों का भोग करता है और बिना वाणी के ही महान वक्ता है।

ब्रह्म की सर्वव्यापकता

इसका आशय यह है कि परमब्रह्म को कहीं जाने के लिए पैरों की आवश्यकता नहीं। वह तो सर्वव्यापी है, अतः जहाँ चाहे वहीं प्रकट हो जाता है। इसी प्रकार उसे सुनने के लिए कानों की आवश्यकता नहीं। भक्त के अधरों पर उच्चरित शब्द ही नहीं, हृदय में उठने वाली मौन प्रार्थनाएँ भी उसकी श्रवण-शक्ति में आती हैं। यदि भक्त की झोली में प्रसाद डालना हो, तो हाथविहीन ब्रह्म यह कैसे करेगा? इसका उत्तर यही है कि प्रभु की शक्ति अनंत है—'कर बिनु करम करइ बिधि नाना'—वह बिना हाथों के भी असीम कार्य कर सकते हैं। भक्त का अर्पण और प्रभु की प्रसन्नता

प्रभु को भोग-विलास की कोई आवश्यकता नहीं। यदि वे भी जीव की तरह इंद्रिय-सुखों में आसक्त होते, तो उन्हें अनेक पदार्थों की चाह रहती। परंतु ऐसा नहीं है। वास्तव में प्रभु को अपने भक्त का प्रेम ही सबसे अधिक प्रिय है। जब भक्त प्रसाद चढ़ाता है, तो भगवान उसे ऐसे स्वीकार करते हैं मानो उसमें संपूर्ण सृष्टि का रस समाया हो। यही कारण है कि संत-महात्मा कहते हैं— "भक्ति बिना न मिले हरि राया, तजि विधि व्रत करि देखी भाया।" वाणी रहित वक्ता

अब प्रश्न उठता है कि जब ब्रह्म निराकार हैं और उनके पास वाणी ही नहीं, तो वे बोलेंगे कैसे? इस पर महादेव उत्तर देते हैं कि परमात्मा बिना वाणी के भी प्रखर वक्ता हैं। उनकी दिव्य ध्वनि श्रुति, वेद और उपनिषदों में गूँजती है। ऋग्वेद में कहा गया है—

"न तस्य प्रतिमा अस्ति, यस्य नाम महद् यशः।"

अर्थात उस परमात्मा की कोई प्रतिमा नहीं, किंतु उसका यश महान है, और वही वाणी के बिना भी सबको दिशा देता है। इंद्रियों से परे ब्रह्म

प्रभु बिना आँखों के सब कुछ देखते हैं, बिना कानों के सब सुनते हैं, बिना नाक के सब गंध ग्रहण करते हैं और बिना शरीर के ही सब स्पर्श का अनुभव करते हैं। उपनिषदों में वर्णन है—

"श्रोत्रस्य श्रोत्रं मनसो मनो यद्, वाचो ह वाचं स उ प्राणस्य प्राणः।"

अर्थात वही परमात्मा कानों का भी कान है, मन का भी मन है, वाणी का भी वचन है और प्राणों का भी प्राण है।

अज्ञेय ब्रह्म- उस ब्रह्म की महिमा इतनी अद्भुत और अनंत है कि उसका पूर्ण वर्णन संभव ही नहीं। भक्त उसे जितना समझता है, उतना ही उसमें नया रहस्य प्रकट होता जाता है। यही कारण है कि संत कवि कहते हैं—

"राम की महिमा अपार, को कहि सके विचार।"

अतः यह स्पष्ट है कि श्रीराम कोई साधारण मानव रूप नहीं, बल्कि वही अनंत ब्रह्म हैं, जो भक्तों की कृपा के लिए अवतरित हुए। वे बिना इंद्रियों के सब इंद्रियों का कार्य करते हैं। वे बिना वाणी के बोलते हैं, बिना शरीर के सब कार्य करते हैं और बिना भोग के ही सब रसों का आनंद देते हैं। उनकी लीला इतनी अद्भुत है कि समस्त शास्त्र भी उसका अंत नहीं पा सकते।

आर्थिक तंगी में ऐसे करें पितरों का तर्पण

आर्थिक कारणों या किसी शारीरिक अक्षमता के चलते अगर आप पितृपक्ष में पितरों का श्राद्ध करने में असमर्थ हैं तो दुखी न हों, शास्त्रानुसार इसके लिए भी उपाय हैं, शास्त्र कहते हैं कि अगर कोई व्यक्ति श्राद्ध करने की स्थिति में नहीं हैं, अन्नविहीन है तो भी उनके दिवंगत पूर्वज की तिथि के दिन वह व्यक्ति मन ही मन पितरों का आह्वान करके गाय को हरी घास खिलाएं। अगर आप ऐसी जगह पर हैं जहां घास भी नहीं मिल सकती तो किसी निर्जन स्थान पर जाकर प्रत्यक्ष देवता सूर्य नारायण की ओर मुख करके अपने दोनों हाथ ऊपर उठाकर पितरों का आह्वान करें, श्रद्धा के साथ सूर्य से विनती करें कि, 'हे सूर्य नारायण! मेरे पितरों को तृप्त करें।' साथ ही दक्षिण दिशा की ओर भी दोनों हाथ उपर कर पितरों की मुक्ति की कामना करें। सच्चे मन से श्रद्धाभाव के साथ ऐसा करने से पितृ तृप्त होकर आशीर्वाद देकर अपने धाम को लौट जाते हैं। श्राद्ध आदि कर्म के लिए कर्ज नहीं लेना चाहिए - कर्ज लेकर श्राद्ध नही करना चाहिए, कर्ज लेकर पितरों के पसंद के पकवान बनाकर श्राद्ध करने से पितरों को कष्ट होता है। इसलिए कर्ज लेकर पितरों का श्राद्ध न करें, ऐसी स्थितियों से बचना चाहिए। अगर किसी की आर्थिक स्थिति सही न हो, तो वह अपनी थाली में से रोटी के कुछ अंश भोजन करने से पूर्व पितरों के निमित्त निकालकर उन्हें श्रद्धापूर्वक अर्पण करें। धर्माचार्यों का यहां तक मत है कि अगर पितरों को तृप्त करने के लिए अपने आहार से थोड़ा सा भोजन निकालकर पितरों को अर्पण करना पड़े, तो श्रद्धापूर्वक थोड़ा-सा कम खाकर भी पितरों को पंद्रह दिन तृप्त करके वर्ष भर जीवन में सुख-शांति प्राप्त की जा सकती है। शारीरिक रूप से असमर्थ वंशजों के लिए भी श्राद्ध विधान है कि वह अपनी जगह से अपने पितृ को श्रद्धापूर्वक ध्यान करके भगवान सूर्य से यह निवेदन करे कि, 'हे सूर्य नारायण! मेरे पितरों की क्षुधा तृप्त करें।' दरिद्रता के कारण जो पितृ की क्षुधा को तृप्त करने की स्थिति में नहीं है, तो वह किसी एकांत स्थान पर जाए, दक्षिण की ओर मुंह करके पितरों का श्रद्धापूर्वक आह्वान करते हुए दोनों हाथ ऊपर उठाकर प्रार्थना करें कि, 'हे प्रभु! मेरे पितरों को तृप्त कर उन्हें मोक्ष सद्गति प्रदान करें,' ऐसा करने से पितरों की क्षुधा तृप्त होती है।

इस अनोखे मंदिर में की जाती है बप्पा के इंसानी स्वरूप की पूजा

गणपति बप्पा के गजमुख स्वरूप की पूजा हम सभी लोग करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा मंदिर है, जहां पर भगवान गणेश की पूजा इंसानी स्वरूप में की जाती है। देखा जाए तो भारत में भगवान गणेश के इंसानी रूप की पूजा करते नहीं देखा गया है। लेकिन तमिलनाडु में एक ऐसा मंदिर है, जहां पर भगवान गणेश के इंसानी स्वरूप को पूजा जाता है। भगवान गणेश के इस मंदिर को आदि विनायक मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। आदि विनायक मंदिर की खासियत यह है कि यहां पर बप्पा के ऐसे स्वरूप की पूजा की जाती है, जोकि सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में कहीं नहीं होती है। यह भारत का ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया का एक ऐसा मंदिर हैं, जहां पर गणपति बप्पा के इंसानी स्वरूप की मूर्ति विराजमान है। यहां पर गणपति के शरीर पर गजमुख नहीं बल्कि इंसानी मुख देखा जा सकता है। आदि विनायक मंदिर तमिलनाडु राज्य के तिरुवरूर जिले में कुटनूर से करीब 3 किमी दूर तिलतर्पण पुरी में स्थित है। यहां पर आप फ्लाइट के जरिए भी आ सकते हैं। इस मंदिर के सबसे नजदीक तिरुचिरापल्ली एयरपोर्ट है। एयरपोर्ट से इस मंदिर की दूरी करीब 110 किमी है। वहीं अगर आप इस मंदिर में दर्शन के लिए ट्रेन से आने का प्लान बना रहे हैं, तो मंदिर के पास तिरुवरुर रेलवे स्टेशन के पास पड़ेगा। इस रेलवे स्टेशन से मंदिर की दूरी सिर्फ 23 किमी है। इसके अलावा अगर आप चेन्नई से आ रहे हैं, तो यह मंदिर 318 किमी की दूर पर है।

बप्पा के इस स्वरूप की होती है पूजा मान्यता है कि जब भगवान शिव ने क्रोध में आकर भगवान गणेश का सिर काटा था, तो उन्होंने स्वयं से गणेश के धड़ पर हाथी का सिर लगाकर जीवनदान दिया था। लेकिन इस मंदिर में उनके उस मुख की पूजा की जाती है, जिसको मां पार्वती द्वारा उनके हाथों से बनाया गया था। इस मंदिर का नाम आदि विनायक इसलिए पड़ा, क्योंकि मंदिर में उनके पहले स्वरूप की पूजा होती है। लोगों का मानना है कि पहले भगवान गणेश ऐसे दिखते थे, जोकि उनका असली इंसानी स्वरूप था।

श्रीराम से जुड़ा है नाता- आदि विनायक मंदिर को भगवान श्रीराम से इसलिए भी जोड़कर देखा जाता है, क्योंकि यहां पर भगवान राम आए थे। माना जाता है कि जब श्रीराम अपने पिता दशरथ की मृत्यु के बाद उनका पिंडदान कर रहे थे, तो उनके चावल से बने पिंड कीड़े में बदल जा रहे थे। ऐसी स्थिति में श्रीराम ने महादेव से इसका उपाय पूछा, तब महादेव ने श्रीराम को आदि विनायक में जाकर पूजा और पिंडदान करने के लिए कहा। जब श्रीराम ने आदि विनायक मंदिर में पिंडदान किया, तो सभी पिंड शिवलिंग में बदल गए। इसी कारण पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए देश के कोने-कोने से लोग यहां आते हैं।

आर्थिक राशिफल : सर्वार्थ सिद्धि योग में इन 5 राशियों को मिलेगा भरपूर लाभ, देवी लक्ष्मी डबल कर देंगी इनकम

मेष राशि आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, रचनात्मक कार्यों में भी थोड़ी रुचि बढ़ सकती है और नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। परिवार के मामले में भी दिन अच्छा रहेगा और विवाह योग्य संतान का रिश्ता तय हो सकता है। जिससे आप ज्यादा व्यस्त हो सकते हैं।

वृषभ राशि कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अपनी मेहनत का शुभ फल प्राप्त होगा। सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है और आप शाम के समय आवश्यक सामानों की खरीदारी भी करने जा सकते हैं। लेकिन किसी भी स्थिति बहस करने से बचें और सामने वाले की राय भी जरूर सुन लें, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मिथुन राशि समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है और कार्यक्षेत्र में भी प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार के मामले में आपको अपने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा और जीवनसाथी भी हर मोड़ पर साथ रहेंगे। अगर लंबे समय से किसी कर्ज का सामना कर रहे थे तो अब उससे भी राहत मिल सकती है। लेकिन अचानक आपको किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सतर्क रहना जरूरी होगा।

कर्क राशि आपको कोई उत्तम संपत्ति का सुख प्राप्त हो सकता है और अगर लंबे समय से कहीं धन रुका हुआ था, तो वह भी अब मिल सकता है। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिल सकती है। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहने होंगे। व्यापार के मामले में नए संपर्क बन सकते हैं और पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

सिंह राशि कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा। उनका ख्याल करके कोई भी फैसला लेना ज्यादा बेहतर होगा और आपको संतोष महसूस होगा। कुछ मामलों में आप अपने आसपास के लोगों की सलाह भी ले सकते हैं, जो आपके काम आएगी। नौकरी करने वाले लोग कार्यस्थल पर टीमवर्क से किसी भी समस्या का हल आसानी से निकाल सकते हैं।

कन्या राशि आर्थिक मामलों में सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि, इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो सकता है। इस दौरान आपको संयम बनाए रखना होगा और कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर अचानक कोई नया बदलाव भी आ सकता है। लेकिन सहकर्मियों और अधिकारियों को पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

तुला राशि व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अचानक आए कुछ बदलावों और नए कामों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपको किसी भी नए काम में सारे पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना होगा। सोच-समझकर फैसले लेने से बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आपको कुछ पुराने काम पूरे करने का भी मौका मिल सकता है।

वृश्चिक राशि आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे, जिसके चलते आपकी सराहना भी की जाएगी। वहीं, बिजनेस के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है और दिन के दूसरे भाग में दोस्तों के साथ समय व्यतीत होगा। इससे आपका मन पूरा समय प्रसन्न रहेगा।

धनु राशि व्यापार के मामले में दिन मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ सकता है। लेकिन आर्थिक मामले में सतर्क रहने की जरूरत है। हालांकि, कुछ पुराने लेन-देन से आपको छुटकारा मिल सकता है और परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करने से सुकून महसूस होगा।

मकर राशि कामकाज के सिलसिले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिसके द्वारा सफलता प्राप्त होगी और आपको सकारात्मक परिणाम भी मिल सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी दिन अनुकूल रहेगा। लेकिन इस समय किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचें, अन्यथा धन वापस मिलने की कम संभावना है। निजी जीवन में आपकी अचानक किसी रिश्तेदार से मुलाकात हो सकती है।

कुंभ राशि आपका दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। वहीं, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का मौका मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आप विरोधियों को पीछे छोड़ देंगे और आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के योग भी बने हुए हैं। आप दिन का कुछ समय पुण्य के कार्यों में भी व्यतीत कर सकते हैं।

मीन राशि आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अपना कहीं रुका या खोया हुआ पैसा अब वापस मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं। अगर कार्यक्षेत्र में किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब उसका समाधान मिल सकता है। इसी के चलते तनाव भी कम होगा और आपका दिन खुशनुमा रहेगा।

श्राद्ध का आरंभ चंद्रग्रहण से जानें क्या है ग्रहण में श्राद्ध तर्पण का नियम

श्राद्ध पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से होने जा रहा है। लेकिन इस बार श्राद्ध पक्ष विशेष माना जा रहा और इसकी वजह से पितृपक्ष के पहले दिन ही ग्रहण का लगना। आपको बता दें कि 7 सितंबर को भाद्र मास की पूर्णिमा तिथि है जिसे पितृ पूर्णिमा और श्राद्ध पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। अबकी बार श्राद्ध पूर्णिमा के दिन ही पूर्ण चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। और आश्विन कृष्ण पक्ष का आरंभ भी चंद्रग्रण के साये में होगा। ऐसे में श्राद्ध तर्पण पर क्या होगा असर और ग्रहण के दौरान क्या रहेगा श्राद्ध तर्पण का नियम जानें सबको विस्तार पूर्वक। ज्योतिषीय गणना के 7 अगस्त को दिन में 12 बजकर 57 मिनट से चंद्रग्रहण का सूतक लग जाएगा और ग्रहण का आरंभ रात में 9 बजकर 57 मिनट पर हौगा। जबकि ग्रहण का समापन 8 तारीख की रात में 1 बजकर 26 मिनट पर होगा। यानी यह चंद्रग्रहण कुल 3 घंटे 29 मिनट का रहेगा। ऐसे में मंदिरों

के कपाट भी 7 तारीख के दिन में 12 बजकर 57 मिनट से पहले बंद कर दिए जाएंगे। और देव पितृकार्य भी इससे पहले तक ही किए जाएंगे। साथ ही श्राद्ध पक्ष में जिन लोगों का श्राद्ध पूर्णिमा तिथि को होगा उनका ब्राह्मण भोजन भी दिन में 12 बजकर 57 मिनट से पहले ही करना होगा। श्राद्ध पूर्णिमा के दिन अगस्त मुनि का तर्पण किया जाता है साथ ही उन लोगों का भी श्राद्ध तर्पण किया जाता है जिनकी मृत्यु किसी भी महीने में पूर्णिमा तिथि को हुआ है। साथ ही इस दिन नियम है अगस्त मुनि का तर्पण दोपहर से पहले ही कर लेना चाहिए। इसलिए श्राद्ध तर्पण इन दिन 12 बजकर 57 मिनट से पहले कर लेना ही उत्तम होगा। शास्त्रों के अनुसार ग्रहण के बाद पितरों का तर्पण और श्राद्ध करना उत्तम माना गया है। ऐसे में आश्विन कृष्ण प्रतिपदा तिथि में ग्रहण मोक्ष के बाद पितरों का तर्पण करना उत्तम रहेगा। इससे पितर संतुष्ट और प्रसन्न होंगे।

बैतूल में पुलिस की नई सुविधा, 24 फास्ट रिस्पॉन्स व्हीकल तैनात, डायल 100 की जगह अब 112 नंबर

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में अपराध, दुर्घटना और आपात स्थितियों में पुलिस की प्राथमिक मदद के लिए जिले में अब 24 फास्ट रिस्पॉन्स व्हीकल (FRV) तैनात रहेंगे। गुरुवार को आईजी मिथलेश कुमार शुक्ला ने नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न थानों के लिए रवाना किया। FRV 112 नंबर से जुड़ी सेवा है, जिसे अपराध या दुर्घटना जैसी किसी भी आपात स्थिति में सबसे पहले मौके पर पहुंचने के लिए तैयार रखा जाता है। इन वाहनों में प्राथमिक इलाज और रेस्क्यू के उपकरण भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पहले जिले में 20 FRV थीं, अब चार और बढ़ाकर 24 कर दी गई हैं। जिले का क्षेत्रफल बड़ा होने के कारण अतिरिक्त वाहनों से रिस्पॉन्स टाइम में कमी आएगी और सूचना का आदान-प्रदान भी तेज होगा। अब तक पुलिस सहायता के लिए लोग 100 नंबर डायल करते थे, लेकिन अब यह सेवा 112 नंबर पर उपलब्ध होगी। इसी नंबर पर कॉल कर नागरिक पुलिस से मदद मांग सकते हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में डायल-100 सेवा को आधुनिक रूप देकर अब "112" नंबर से जोड़ा गया है। यह नंबर पुलिस के साथ-साथ अग्निशमन और आपदा प्रबंधन की त्वरित सेवाओं से भी जोड़ा गया है। फास्ट रिस्पॉन्स व्हीकल को इस तरह तैयार किया गया है कि यह अपराध नियंत्रण, ट्रैफिक हादसों और आपात बचाव कार्यों में त्वरित सहायता पहुंचा सकें।

करबला और दामादैयत घाट पर कुंडों में होगा विसर्जन

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल नगर पालिका परिषद ने गणेश उत्सव के समापन पर प्रतिमा विसर्जन के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पर्यावरण संरक्षण और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विसर्जन के लिए तीन स्थान निर्धारित किए गए हैं। नगर पालिका ने हमलापुर घाट पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। श्रद्धालु अब केवल करबला घाट, दामादैयत घाट और फिल्टर प्लांट के पास माचना नदी में बनाए गए कुंडों में ही प्रतिमाओं का विसर्जन कर सकेंगे। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने सभी गणेश भक्तों से इन निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था नगर के स्वच्छ वातावरण और परंपराओं को बनाए रखने के लिए की गई है। नगर पालिका ने श्रद्धालुओं से इस नई व्यवस्था में सहयोग की अपेक्षा की है।

मुलताई में बस स्टैंड परिसर की दुकानों का बढ़ा रेंट

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड परिसर की दुकानों के किराए में की गई वृद्धि को लेकर विवाद गहरा गया है। व्यापारियों ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर इस वृद्धि का विरोध किया था। इस पूरे मामले में नपा के अधिकारी स्पष्ट रूप से स्थिति साफ नहीं कर पा रहे है। जिसके बाद अब नगर पालिका अध्यक्ष ने इस मामले को लेकर व्यापारियों को आश्वस्त किया है कि किसी को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

आज गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि किराए में केवल 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे पर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर पालिका सभी निर्णय सामूहिक सहमति से लेती है। उन्होंने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि किसी भी दुकानदार के साथ अन्याय नहीं होगा। किराए को लेकर यदि किसी को समस्या है तो वह चर्चा के लिए तैयार हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में दुकानें सील नहीं की जाएंगी। दुकानों के नवीनीकरण से जुड़ी समस्याओं का भी जल्द समाधान किया जाएगा। अध्यक्ष का कहना है कि नगर पालिका की परिषद को सभी ने मिलकर चुना है, ऐसे में व्यापारियों के हितों पर कुठाराघात नहीं होने दिया जाएगा,उन्होंने कहा कि सभी मिलकर बैठेंगे और सभी की सहमति से निर्णय लिए जाएंगे।

मुलताई के पोहर-सहनगांव में सड़क निर्माण की मांग

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई क्षेत्र के ग्राम पोहर और सहनगांव के निवासियों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार की घोषणा की है। पंचायत चुनाव 2024 के दौरान 8 जुलाई को निर्वाचन अधिकारी और जनपद स्तर के अधिकारियों ने रंगम-वामगांव से पोहर और हिवरखेड़-पोदरा-सहनगांव तक पक्की सड़क बनाने का लिखित आश्वासन दिया था। ग्रामीण अनिल पवार, रवि देशमुख सहित अन्य ने बताया कि अधिकारियों ने तीन महीने में काम पूरा करने का वादा किया था। लेकिन डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी न तो सड़क का निर्माण शुरू हुआ और न ही विभाग ने कोई पहल की। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत सचिव और रोजगार सहायक से कई बार अनुरोध किया गया। लेकिन मरम्मत के लिए फंड न होने का हवाला देकर टाल दिया जाता है। सड़क न होने से स्थानीय लोगों को कीचड़ और गड्ढों भरे रास्तों से गुजरना पड़ता है। बारिश के मौसम में हालात और खराब हो जाते हैं। स्कूली बच्चों की किताबें और यूनिफॉर्म कीचड़ में खराब हो जाती हैं। कई बार बच्चे रास्ते से ही वापस लौट आते हैं। क्षेत्रीय विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने भी सड़क निर्माण की अनुशंसा की है, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो वे आने वाले चुनावों का सामूहिक बहिष्कार करेंगे। उनका कहना है कि सरकार और प्रशासन को इस समस्या पर तुरंत ध्यान देना होगा। विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने बताया कि वे संबंधित अधिकारियों को इसके लिए निर्देश दे चुके हैं एवं फिर से सड़क निर्माण के लिए उन्हें निर्देशित कर रहे हैं।

बैतूल-शाहपुर में 1 लाख 20 हजार की शराब पकड़ी, दो आरोपी 38 हजार की देसी-विदेशी और 82 हजार की महुआ शराब के साथ पकड़ाए

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल और शाहपुर में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शाहपुर के ग्राम गेडीढाना में आबकारी टीम ने पहली कार्रवाई की। आरोपी अखिलेश धुर्वे के मकान से 8 कार्टून देशी-विदेशी मदिरा जब्त की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा 70.62 बल्क लीटर है, जिसकी कीमत लगभग 38 हजार रुपए है। दूसरी कार्रवाई बैतूल में सोनघाटी शिव मंदिर के पास की गई। यहां से एक ऑटो में 80 लीटर अवैध महुआ शराब पकड़ी गई। इसकी कीमत करीब 83 हजार रुपए आंकी गई है। ऑटो चालक आरिफ को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अखिलेश धुर्वे को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सुर्यवंशी के निर्देश पर इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

तीन युवकों ने एटीएम कार्ड बदलकर निकाले 1.50 लाख रुपए, मुलताई में मदद का बहाना बनाकर की धोखाधड़ी

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

मुलताई में एटीएम धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। रेलवे स्टेशन रोड स्थित सेंट्रल बैंक के एटीएम में तीन अज्ञात युवकों ने एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर उसके खाते से 1.50 लाख रुपए निकाल लिए। ताईखेड़ा निवासी बिहारी नरवरे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 3 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे वे एटीएम गए थे। पैसे निकालने की कोशिश करने पर मशीन से रुपए नहीं निकले। एटीएम बूथ में मौजूद तीन युवकों में से दो ने मदद का बहाना बनाकर उनका कार्ड ले लिया और चालाकी से बदल दिया।

बिहारी का खाता रायआमला स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में है। खाता से अज्ञात व्यक्तियों ने करीब 1.50 लाख रुपए निकाल लिए। आज गुरुवार को पीड़ित ने मुलताई थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया ने बताया कि एटीएम के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में एटीएम सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने बैंकों से एटीएम बूथ पर गार्ड की मांग की है। थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया ने बताया कि एटीएम कार्ड का इस्तेमाल करते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि एटीएम के अंदर एक ही व्यक्ति हो। इस एटीएम पर गार्ड नहीं था। ऐसे में तीन युवक पीछे से घुस गए। सीसीटीवी कैमरा के आधार पर जल्दी आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

बैतूल-आमला मार्ग पर बड़े वाहनों की रोक, उमरी उर्स के चलते शाम 4 से कल सुबह 6 बजे तक प्रतिबंध, वैकल्पिक मार्ग तय

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल के उमरी शरीफ में गुरुवार को होने वाले सालाना उर्स के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। थाना गंज क्षेत्र के उमरी गांव में मुस्लिम समुदाय का वार्षिक उर्स कार्यक्रम आयोजित होगा। बैतूल मुख्यालय से उमरी दरगाह तक संदल और जुलूस निकलेगा। दरगाह में कव्वाली भंडारा और अन्य धार्मिक कार्यक्रम होंगे। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए कुछ मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है।

बैतूल से आमला और आमला से बैतूल के बीच किला खंडारा होते हुए जाने वाले मार्ग पर मालवाहक, ट्रक, डंपर, ट्रैक्टर-ट्रॉली और मध्यम मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध 4 सितंबर शाम 4 बजे से 5 सितंबर सुबह 6 बजे तक प्रभावी रहेगा। वैकल्पिक मार्ग व्यवस्था के तहत कॉलेज चौक से आमला जाने वाले चार पहिया और बड़े वाहनों को नेशनल हाईवे-47 से पंखा होकर जाना होगा। किला खंडारा से हसलपुर के बीच के गांवों की ओर जाने वाले वाहन हमलापुर चौक से पुराना आमला रोड होते हुए बाजपुर और बरसाली से जा सकेंगे। आमला से बैतूल आने वाले वाहनों को हसलपुर जोड़ से पंखा होते हुए NH-47 का उपयोग करना होगा। यातायात पुलिस ने नागरिकों से इस अस्थायी व्यवस्था का पालन करने और सहयोग की अपील की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949